संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 334
पृष्ठ 8
गुरूवार
28 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नाश्ते में बनाकर तैयार करें रेस्टोरेंट...

विचार- बच्चों से वैज्ञानिक चिंतन छीनने...

खेल- अश्विन ने आईपीएल से भी लिया...

यूपीएसएसएससी द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को सीएम योगी ने सौंपा नियुक्त पत्र, बोले-

भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी हुई

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा चयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं एवं 13 फार्मासिस्टों को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में नियुक्ति–पत्र प्रदान किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि आज अगर लखीमपुर के जंगल के बीच कोई थारू जनजाति की बेटी का चयन होता है, तो मानिए चयन प्रक्रिया निष्पक्ष हो रही है। आज यहां 2–2 थारू बेटियों का चयन हुआ यह इस बात को साबित करता है कि भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती हुई। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा चयनित मुख्य सेविकाओं एवं 13 फार्मासिस्टों को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्ण विश्वास है कि आप सभी स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध उत्तर प्रदेश के निर्माण में योगदान देने के साथ ही 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में अपनी भूमिका का प्रतिबद्धता पूर्वक निर्वहन करेंगे। इस दौरान उन्होंने सभी को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। सीएम योगी ने कहा कि युवा जब छला जाता है तो यह राष्ट्रीय क्षति होती है। 2017 के पहले यही होता था। बेईमानी भ्रष्टाचार की वजह से युवाओं को भर्ती नहीं मिलती थी। युवाओं को न्यायालय तक जाना पड़ता था। उत्तरप्रदेश को बीमारू प्रकृति ने नहीं बनाया है इसे राजनीतिक दलों ने बनाया था। यहां के मानसिक रूप से बीमार राजनीतिक दलों ने युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया था। आज अगर लखीमपुर के जंगल के बीच कोई थारू जनजाति की बेटी का चयन होता है,तो मानिए चयन प्रक्रिया निष्पक्ष हो रही है,आज यहां 2–2 थारू बेटियों का चयन हुआ। उत्तर प्रदेश बीमार नही था, इसको बीमार किया गया था। यह प्रदेश 1947 के बाद से 1960 दशक तक देश का अग्रणी राज्य थ। 1960 के बाद से यहां गिरावट आई। 1990 तक यहां स्तर गिर गया। 2017 तक यहां की स्थिति बदतर हो गई। राजनीतिक दलों ने प्रदेश को लूट का अड्डा बना दिया था। कोई कार्य छोटा बड़ा नही होता। जहां अवसर मिले वहां काम करना चाहिए। हमने सोचा प्रदेश के जर्जर स्कूल भवनों को शिफ्ट करना चाहिए क्योंकि एक राज्य में ऐसी घटना हो चुकी थी लेकिन बीमार मानसिकता के दलों ने इसको कठघरे में खड़ा किया। इसी तरह राष्ट्रीय शिक्षा नीति तहत स्कूलों को बेहतर पेयरिंग का हिस्सा बनाया तो इसको भी लेकर राजनीतिक दलों ने आमजन में भ्रम फैलाया। हमने बच्चो को बेहतर शिक्षा। बेहतर पोषण के लिए कार्य किया। 2047 में भारत विकसित हो, इसका रास्ता गांव, गलियों और आंगनवाड़ी केंद्रों से जाता है।

गुजरात कोई आर्थिक मॉडल नहीं, 'वोट चोरी का मॉडल' है

वोटर अधिकार यात्रा में राहुल गांधी का आरोप

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। लोकसभा नेता राहुल गांधी ने राजद नेता तेजस्वी यादव और सीपीआई (एमएल) नेता दीपांकर भट्टाचार्य के साथ बुधवार को मुजफ्फरपुर में 'मतदाता अधिकार यात्रा' निकाली। उनके साथ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके सांसद कनिमोझी भी शामिल हुए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि यहां आते समय 6 साल के बच्चों के एक समूह ने मेरी तरफ देखा और कहा 'नरेंद्र मोदी वोट चोर'। 6 साल के बच्चे भी समझ गए हैं कि भारत में वोट चोरी हो रहे हैं। कुछ दिन पहले अमित शाह ने कहा था कि भाजपा अगले 40 साल तक सत्ता में रहेगी। राहुल ने कहा कि राजनीति में क्या होगा, यह कोई नहीं जानता, लेकिन अमित शाह अगले 40 साल का भविष्य जानते हैं। कैसे? वोट चोर। भाजपा पर निशान साधते हुए उन्होंने कहा कि वोट चोरी की शुरुआत 2014 से पहले गुजरात में हुई थी। और 2014 में वे इसे राष्ट्रीय स्तर पर ले आए। गुजरात मॉडल कोई आर्थिक मॉडल नहीं है; यह 'वोट चोरी' का मॉडल है। उन्होंने मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव चुराए। हमने कुछ नहीं कहा क्योंकि हमारे पास कोई सबूत नहीं था। लेकिन हमें महाराष्ट्र में सबूत मिल गए क्योंकि उन्होंने वहाँ बहुत ज़्यादा वोट चुराए। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में लगभग 1 करोड़ वोट और जोड़ दिए। ये सभी भाजपा को मिले। हम आपको सबूत के साथ दिखाएंगे कि कैसे हरियाणा, महाराष्ट्र और लोकसभा चुनाव चुराए गए। कांग्रेस नेता ने कहा कि वोट चोरी सिर्फ कर्नाटक की बेंगलुरु सेंट्रल सीट पर नहीं हुई। हिंदुस्तान की 70–80 सीटों पर वोट चोरी की गई। हमने काम शुरू कर दिया है। हम आपको दिखाएंगे कि किस तरह से अलग–अलग चुनाव चोरी किए गए। जैसे हमने महादेवापुरा के सबूत देश के सामने रखे, वैसे ही हम बाकी जगहों के सबूत भी सबके सामने रखेंगे।

जनता के गुस्से का शिकार हुए मंत्री श्रवण कुमार, जान बचाने को 1 किमी तक भागे

नालंदा, एजेंसी। बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और हिलसा विधायक कृष्ण मुरारी पर बुधवार को नालंदा ज़िले में ग्रामीणों ने हमला कर दिया। यह घटना उस समय हुई जब दोनों नेता गाँव में नौ लोगों की मौत से प्रभावित परिवारों से मिलने गए थे। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन ने समय पर कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण कई लोगों की जान चली गई। दो दिन पहले ही एक सड़क दुर्घटना हुई थी जिसमें एक ट्रक की चपेट में आने से ऑटो में सवार नौ लोगों की मौत हो गई थी। मंत्री श्रवण कुमार और विधायक कृष्ण मुरारी जैसे ही गाँव पहुँचे, उन्होंने प्रभावित परिवारों से लगभग आधे घंटे तक मुलाकात की। इसके बाद, जब मंत्री और विधायक जाने वाले थे, तो ग्रामीणों ने मुआवज़े की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। कुछ ही देर में ग्रामीण हिंसक हो गए और उन पर लाठियों से हमला कर दिया। ग्रामीणों ने नेताओं का पीछा किया। जान बचाने के लिए मंत्री और विधायक को करीब 1 किलोमीटर तक भागना पड़ा। हमले में उनके अंगरक्षक और कुछ अन्य लोग घायल हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की। इस वजह से कई लोगों की जान चली गई। ऐसी घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, जहाँ मुआवज़ा देने का वादा किया गया था, लेकिन कई लोगों को नहीं मिला। घटना के बाद इलाके में तनाव है। मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस मामले की जाँच कर रही है। बिहार के शाहजहाँपुर थाना क्षेत्र के दनियावां प्रखंड के दनियावां–हिलसा मार्ग पर शनिवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में कई लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि सभी पीड़ित नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र के रेड्डी मलामा गाँव के निवासी थे। वे त्रिवेणी संगम पर गंगा स्नान के लिए फतुहा जा रहे थे। पटना के जिलाधिकारी के अनुसार, यह दुर्घटना सुबह लगभग 6रू45 बजे एक ऑटो–रिक्शा और एक भारी वाहन (हाइवा) के बीच टक्कर के कारण हुई। इस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई और घायलों का पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज चल रहा है।

ओडिशा में महिला कर उपायुक्त रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में तैनात जीएसटी उपायुक्त सरिता बारिक को एक बेकरी मालिक से टैक्स मामलों से संबंधित जुर्माने और छूट के बदले 25 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सतर्कता निदेशालय के अनुसार, सर्किल चार में तैनात प्रथम श्रेणी की अधिकारी सुश्री बारिक को कल यहां के मधुसूदन नगर में अपनी कार के अंदर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। उनके कब्जे से पूरी रकम बरामद कर ली गयी है। इस मामले में एक बेकरी चलाने वाले शिकायतकर्ता को नोटिस मिला था जिसमें वित्त वर्ष 2020–21 के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) संबंधित करीब सवा दो लाख रुपये के भुगतान के साथ–साथ जुर्माना और दंड भरने को कहा गया था। जब उन्होंने राहत की गुहार लगाई, तो सुश्री बारिक ने कथित तौर इस काम के लिए 25,000 रुपये की रिश्वत मांगी। बेकरी मालिक ने सतर्कता अधिकारियों से संपर्क किया तो अधिकारियों ने जाल बिछा कर सुश्री बारीक को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया।

ऑपरेशन सिंदूर ने स्वदेशी मंचों और हथियारों की सफलता को किया प्रदर्शित : राजनाथ सिंह

महू, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत को आज के युग में सूचना और साइबर युद्ध का महत्व सिखाया है। उन्होंने अपने बुनियादी ढांचे को और भी मज़बूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। मध्य प्रदेश के महू में प्रथम त्रि–सेवा संगोष्ठी 'रण संवाद' को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री ने आत्मनिर्भरता को ''परम आवश्यक'' बताया और कहा कि अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है, हालाँकि भारत ने इस रास्ते पर काफी प्रगति की है। राजनाथ ने इस कार्यक्रम में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमें आज के युग में सूचना और साइबर युद्ध के महत्व को सिखाया है। यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हमारी सूचना और साइबर संरचना को और भी मज़बूत बनाया जाए। मेरा मानना घ्ह्है कि हमें इस मामले पर गहराई से विचार और गहन विचार करना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के स्वदेशी रक्षा उपकरणों की सराहना की और कहा कि इसकी सफलता ने भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का रोडमैप दिया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारे स्वदेशी प्लेटफार्मों, उपकरणों और हथियार प्रणालियों की सफलता का एक बेहतरीन उदाहरण बनकर उभरा है। इसकी उपलब्धियों ने एक बार फिर रेखांकित किया है कि आने वाले समय में आत्मनिर्भरता एक परम आवश्यकता है। हमने आत्मनिर्भरता के पथ पर निश्चित रूप से उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अभी भी हमें एक लंबा रास्ता तय करना है। मंत्री ने युद्ध के मैदान में बदलते नियमों का ज़िक्र करते हुए कहा कि जो देश युद्ध में नेतृत्व करता है, वही खेल को नियंत्रित करता है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में, जो भी देश युद्ध का मैदान तय करता है, वही खेल और उसके नियमों को नियंत्रित करता है। दूसरों के पास इसका जवाब देने और उन शर्तों के क्षेत्र में कदम रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है जो उन्होंने खुद नहीं चुनी हैं। हमारा प्रयास युद्ध के मैदान और खेल के नियमों को स्वयं परिभाषित करना होना चाहिए, जिससे विरोधी पक्ष को वहाँ लड़ने के लिए मजबूर किया जा सके ताकि बढ़त हमेशा हमारे पास बनी रहे। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता अपने आप में एक आदर्श उदाहरण है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने घटना पर जताया दुख, पीएम ने उमर अब्दुल्ला से की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को माता वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में हुए भूस्खलन में तीर्थयात्रियों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ट्वीट किया कि माता वैष्णो देवी मंदिर के तीर्थयात्रा मार्ग पर भूस्खलन में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु की दुखद घटना अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूँ और राहत एवं बचाव कार्यों की सफलता के लिए प्रार्थना करती हूँ। प्रधानमंत्री मोदी ने ग पर कहा कि श्री माता वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में हुए भूस्खलन के कारण हुई जान–माल की हानि दुखद है। मेरी संवेदनाएँ शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। मैं सभी की सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रार्थना करता हूँ। जानकारी के मुताबिक मोदी ने जम्मू–कश्मीर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से बात की है।

आपके मित्र ट्रंप के टैरिफ से 2.17 लाख करोड़ का नुकसान, खतरे में लाखों नौकरियाँ, खरगे का मोदी पर निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय आयात पर दोगुना टैरिफ लगाने के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उनके षप्रिय मित्रष के इस कदम से भारत को अकेले 10 क्षेत्रों में पहला झटका के रूप में अनुमानित 2.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। ग पर एक पोस्ट में, खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने इस प्रभाव को कम करने और किसानों की आजीविका की रक्षा के लिए बिल्कुल कुछ नहीं किया है। खड़गे ने आगे कहा कि आपके प्रिय मित्र ष्अबकी बार, ट्रंप सरकारष ने आज से भारत पर 50: टैरिफ लगा दिया है। इस टैरिफ के पहले झटके के रूप में, अकेले 10 क्षेत्रों में, हमें अनुमानित घ्2. 17 लाख करोड़ का नुकसान होगा। हमारे किसान, खासकर कपास उत्पादक किसान, बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। आपने कहा था कि आप उनकी रक्षा के लिए कोई भी व्यक्तिगत कीमत चुकाने को तैयार हैं, लेकिन आपने इस झटके को कम करने और उनकी आजीविका की रक्षा के लिए बिल्कुल कुछ नहीं किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि टैरिफ के कारण भारत को अपने सकल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत नुकसान होगा और इसका लाभ चीन को मिलेगा। उन्होंने प्रमुख क्षेत्रों में नौकरियों के नुकसान की ओर भी ध्यान आकर्षित किया और कहा कि अमेरिकी टैरिफ से एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) प्रभावित हो रहे हैं। खड़गे ने कहा कि ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (ळज्त्) का सुझाव है कि हमारे सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1: प्रभावित हो सकता है, और इससे चीन को लाभ होगा। एमएसएमई सहित कई निर्यात–उन्मुख महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नौकरियों का नुकसान होगा।

अनाम पार्टियों को मिले चंदे पर राहुल ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

नयी दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाने के कारण उनसे एफिडेविट की मांग से घिरे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आयोग को बुधवार कटघरे में खड़ा करते हुए सवाल किया है कि गुजरात अनाम पार्टियों ने हज़ारों करोड रुपए का चंदा जुटाया है तो क्या उनसे भी शपथ पत्र मांगा जाएगा। श्री गांधी ने कहा कि जिन पार्टियों को भारी रकम चंदे के रूप में मिली है उनको कोई जानता नहीं है और न ही उन्होंने ज्यादा चुनाव लड़े हैं। इन पार्टियों को जितना चंदा मिला है उसका कहीं कोई हिसाब किताब नहीं है। उन्होंने कहा कि इन दलों से भी चुनाव आयोग को शपथ पत्र मांगना चाहिए। उन्होंने कहा ष्गुजरात में कुछ ऐसी अनाम पार्टियां हैं जिनका नाम किसी ने नहीं सुना–लेकिन 4300 करोड़ का चंदा मिला। इन पार्टियों ने बहुत ही कम मौकों पर चुनाव लड़ा है, या उन पर खर्च किया है।ष कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि इन अनाम पार्टियों के खातों में ये हजारों करोड़ रुपये आए कहां से, इन पार्टियों को चला कौन रहा है और चंदे का जो पैसा इन पार्टियों की खाते में गया वह पैसा कहां है। उन्होंने चुनाव आयोग से सवाल किया, "क्या चुनाव आयोग जांच करेगा – या फिर यहां भी पहले एफिडेविट मांगेगा या फिर कानून ही बदल देगा, ताकि ये डेटा भी छिपाया जा सके"।

जम्मू में तबाही की बारिश: कोई सिर पर गठरी तो कोई कंधे पर बच्चों को उठाकर भागा, मकान छोड़ने को मजबूर हुए परिवार

जम्मू, एजेंसी। जम्मू में तवी नदी में बाढ़ से राजीव कॉलोनी और जम्मू विश्वविद्यालय पर सबसे ज्यादा असर दिखा है। यहां जलभराव से कई परिवार घर छोड़कर सुरक्षित जगह चले गए हैं। तवी में बाढ़ आने के बाद प्रशासन ने जम्मू विश्वविद्यालय के हॉस्टल को खाली करवा दिया है। राजीव कॉलोनी में ज्यादातर घरों के निचले तल जलमग्न हो गए हैं और इनमें रखा सामान भी बर्बाद हो गया। प्रशासन ने तवी नदी में बाढ़ आने का अलर्ट जारी किया था। तवी का जलस्तर मंगलवार को बढ़ना शुरू हुआ और दोपहर 12 बजे के बाद तक नदी के रौद्र रूप ने राजीव कॉलोनी में पानी आना शुरू हो गया। पानी कॉलोनी में घुसता देख लोगों में अफरातफरी मच गई। आननफानन में अपना सामान समेट भरी बारिश के बीच बाहर निकलना शुरू हो गए। कोई सिर पर गठरी उठाकर तो कोई कंधे पर बच्चों को उठाकर जान बचाने के लिए भागता नजर आया। जब लोग घरों से बाहर निकल रहे थे तब बारिश की वजह से सड़क पर जलभराव भी था। करीब एक घंटे की बारिश में ही राजीव कॉलोनी में तीन फुट से ज्यादा पानी भर गया। सड़क पर खड़ीं गाड़ियां बहती नजर आईं। विश्वविद्यालय के छात्र लोगों की मदद के लिए राजीव कॉलोनी पहुंच गए।

उन्होंने लोगों को घरों से बाहर निकालने में मदद की। बहुत से परिवार अपना सामान बाहर नहीं निकाल पाए और उनके घर के निचला हिस्सा कीचड़ से भर गया। राजीव कॉलोनी में फंसे सतपाल सिंह, विजय कुमार, सीमा देवी, मोनिका और कासिम ने बताया कि कॉलोनी में पानी भरने से भारी नुकसान हुआ है। घर जलमग्न हो गए हैं। जरूरत का कुछ ही सामान निकाल पाए हैं। आरती ने बताया कि पानी भरने के बाद बच्चों की चिंता हो रही है। बारिश में कहां जाएंगे। यहां रहना खतरे से खाली नहीं है।

तीन सौ से अधिक परिवार हैं राजीव कॉलोनी में

राजीव कॉलोनी तवी नदी और जम्मू विश्वविद्यालय के बीच में बसी है। यहां करीब 300 से ज्यादा परिवार रहते हैं। यहां अधिकतर लोग दूसरे राज्यों के हैं जो किराये पर रह रहे हैं। इन सभी परिवारों को जलभराव की वजह से मकान खाली करने पड़े हैं। जम्मू विश्वविद्यालय में हालात भी चिंताजनक बने रहे। प्रशासन ने छात्रों को हॉस्टल खाली करने के निर्देश जारी किए थे।

वाराणसी-प्रयागराज में फिर गंगा विकराल, काशी में श्मशान घाटों पर शवदाह के लिए भी लंबा इंतजार

प्रयागराज। वाराणसी और प्रयागराज में एक बार फिर गंगा विकराल रूप धारण कर चुकी हैं। वाराणसी में बुधवार की सुबह गंगा ने चेतावनी बिंदु को पार कर लिया और खतरे के निशान की ओर बढ़ चली हैं। इससे अब बड़ी आबादी के जनजीवन पर असर पड़ रहा है। गंगा का पानी घाटों से गलियों की ओर आ गया है। श्मशान घाटों पर अंतिम संस्कार के लिए भी लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। मणिकर्णिका घाट पर शवों को नावों से लेकर जाना पड़ रहा है। घाट के पास अंत्येष्टि स्थल डूब जाने से यहां बने प्लेटफॉर्म पर ही अंतिम संस्कार का विकल्प बचा है। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू होने में पहले तीन से चार घंटे का इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं, हरिश्चंद्र घाट पर गली में अंतिम संस्कार हो रहा है। गली में एक समय में अधिकतम तीन चिता ही लग पा रही है। ऐसे में यहां भी इंतजार करना मजबूरी बनी हुई है। उधर प्रयागराज में बाढ़ का पानी अब निचले इलाकों में घुस गया है। इससे वहां के लोगो को अब अपने सामानों के साथ बाढ़ राहत शिविरों में जाना पड़ रहा है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार छोटा बघाड़ा, बेली कछार, राजापुर, के निचले इलाकों में पानी आ गया है, जिससे वहाँ पर रहने वालों को काफी दक्कितों का सामना करना पड़ रहा है। बीते 24 घंटे में गंगा नदी का फाफामऊ में जलस्तर 260 सेंटीमीटर और छतनाग में 104 सेंटीमीटर बढ़ा,जबकि नैनी में यमुना नदी का जलस्तर बीते 24 घंटे में 97 सेंटीमीटर बढ़ा है। गंगा नदी का पानी लगभग 11 सेंटीमीटर प्रति घंटा और यमुना नदी का पानी 4.5 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। दोनों नदियां डेंजर लेवल 84.734 से बमुश्किल एक मीटर नीचे बह रही हैं। सिंचाई विभाग के कंट्रोल रूम से लगातार जलस्तर की मॉनीटरिंग की जा रही है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और जल पुलिस की तैनाती की गई है। वहीं, जिलाधिकारी ने सभी बाढ़ राहत शिविरों में लोगों के रहने के लिए व्यवस्था पूरी कर ली गई है और अब धीरे धीरे बाढ़ पीड़ित राहत शिविरों में आने भी लगे है।

मराठी घट रहे लेकिन बढ़ रही बप्पा की धूम, प्रयागराज में 50 साल से चल रहा है गणपति महोत्सव

प्रयागराज। गणेश महोत्सव का आयोजन महाराष्ट्र और मुंबई से निकलकर उत्तर प्रदेश कई शहरों में भी बड़े पर्व का रूप ले चुका है। प्रयागराज में तो गणपति बप्पा की पूजा 50 साल पहले शुरू हो गई थी। तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। बुधवार को गणेश चतुर्थी पर गजानन की मूर्तियां पंडालों में विराजमान की जाएगी।

प्रयागराज में गणेश महोत्सव की नींव स्थानीय नागरिकों ने नहीं, बल्कि महाराष्ट्र से 50 वर्ष पहले आए 250 मराठी परिवारों ने डाली थी। तब इलाहाबाद रहे इस शहर में गणपति के महोत्सव की शुरुआत का श्रेय महाराष्ट्र लोक सेवक मंडल और लोकमान्य तिलक सेवा ट्रस्ट को जाता है। ट्रस्ट के 60 वर्षीय ट्रस्टी विवेक पौराणिक बताते हैं कि दारागंज के नगाड़ खाना में मराठी परिवार आकर बसे थे। अब इनकी संख्या घटकर 50 के करीब ही रह गई है। इसमें भी 60 फीसदी लोग दारागंज और बाकी अन्य मोहल्लों में रहते हैं। पौराणिक ने बताया कि 46 वर्षों से अलोपीबाग के ट्रस्ट परिसर में 10 दिवसीय सार्वजनिक गणेशोत्सव धूमधाम से मना आ रहे हैं। महाराष्ट्र की तर्ज पर गणेशोत्सव के सातवें दिन सहस्त्रमोदक हवन मुख्य आकर्षण होता है।

सिक्स लेन पुल का स्पैन रखे जाने के दौरान गंगा नदी में गिरा, मचा हड़कंप

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में मलाक हरहर से बेली तक गंगा पर बन रहे सिक्स लेन पुल का स्पैन रखे जाने के दौरान सोमवार शाम बड़ा हादसा हो गया। मलाक हरहर की ओर ट्रेलर पर लदा स्पैन फ्लोटिंग बैराज पर लाया जा रहा था। जैसे ही ट्रेलर बैराज की ओर से बढ़ा अनियंत्रित हो गया और स्पैन सहित नदी में गिर गया। गनीमत रही हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। मामले में डीएम मनीष कुमार वर्मा ने सीडीओ हर्षिका सिंह को जांच करने का निर्देश दिया है। ट्रेलर सहित स्पैन गंगा में गिरने का वीडियो मंगलवार सुबह से वायरल होने लगा। अधिवक्ता विजय द्विवेदी ने सोशल मीडिया पर स्पैन गिरने का वीडियो डाला तो दोपहर होते-होते दर्जनों लोग हादसे का वीडियो डालकर कंपनी की कार्यशैली पर सवाल उठाने लगे। अधिवक्ता ने चार अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री नितिन गड़करी, उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर पुल के निर्माण कार्य में समय सीमा बीतने के बावजूद लेटलतीफी करने पर कंपनी व मंत्रालय के स्थानीय परियोजना निदेशक के खिलाफ अर्थदंड लगाने व कार्यों की जांच कराने की मांग की थी। सिंगला कंपनी एमडी सुनील सिंगला ने बताया कि मैं दूसरी साइड पर चल रहे कार्यों के सिलसिले में बाहर हूं। कुछ भी होता है तो सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो वायरल होते रहते हैं। मौके पर कंपनी के अधीनस्थ कर्मचारियों से जानकारी ले रहा हूं। देखता हूं किस स्तर पर लापरवाही की वजह से घटना हुई है। उसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

चचेरी बहन को बचाने में युवती की पिटाई

प्रयागराज। चचेरी बहन को पीटता देख बीचबचाव करना एक युवती को भारी पड़ गया। दंपती ने युवती की भी जमकर पिटाई कर घायल कर दिया। कीडगंज थाने की पुलिस आरोपी दंपती के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। बैरहना के ओल्ड लश्कर लाइन निवासी शंकरलाल ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी दिपांशी घर पर थी। तभी भाई की बेटी गुड़िया रोते हुए उसके पास आई।

उसने बताया कि भाई-भाभी उसे पीट रहे हैं। इतने में सौरभ और सुमन आ गए और गुड़िया को पीटने लगे। आरोप है कि बीच-बचाव करने पर दोनों ने दिपांशी को भी पीटा दिया। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

बिहार, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में स्थानीय को वरीयता, यूपी में भी अड़े छात्र

प्रयागराज। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भर्ती में डोमिसाइल नीति लागू करने और शिक्षक भर्ती के 85 प्रतिशत पद स्थानीय युवाओं के लिए आरक्षित रखने की घोषणा के बाद से उत्तर प्रदेश में भी यह मुद्दा जोर पकड़ने लगा है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से राजकीय विद्यालयों में एलटी ग्रेड (सहायक अध्यापक) के 7466 और प्रवक्ता के 1516 पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू होने के साथ ही यूपी के प्रतियोगी छात्र भी डोमिसाइल (स्थायी निवास प्रमाणपत्र) अनिवार्य करने की मांग उठाने लगे हैं। बेरोजगारों का कहना है कि हाल के वर्षों में कई राज्यों ने अपनी भर्ती परीक्षाओं में डोमिसाइल (स्थायी निवास प्रमाणपत्र) अनिवार्य कर दिया है।

नतीजा यह हुआ है कि उत्तर प्रदेश के मेहनती प्रतियोगी छात्र, चाहे वह कितनी भी योग्यता और मेरिट रखते हो, दूसरे राज्यों की नौकरियों में आवेदन ही नहीं कर पा रहा है। वहीं दूसरी तरफ, उत्तर प्रदेश में स्थिति बिल्कुल उलट है। यहां अधिकांश परीक्षाओं में बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों को बिना किसी रोक-टोक के अवसर मिल रहा है, चाहे वह उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) हो, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग हो, या अधीनस्थ सेवा चयन आयोग। यह असमानता स्वाभाविक रूप से प्रश्न खड़े करती है कि अगर अन्य राज्यों में भर्ती के दरवाजे बंद हैं, तो हमारे प्रदेश में यह खुला दरवाजा क्यों? यह केवल अवसर की बात नहीं है, बल्कि न्याय और समानता की भी मांग है। अगर एक उत्तर प्रदेश का युवा केवल अपने राज्य में ही अवसर खोजने को मजबूर है, तो कम से कम अपने राज्य में उसके लिए रक्षा-कवच होना चाहिए। प्रतियोगी छात्रों का सीधा सवाल है जब हमारे लिए रास्ते रोके जा रहे हैं, तो हमारे प्रदेश में अवसर सबके लिए खुली खैरात क्यों बने? राज्यों के बीच यह असमानता संविधान का सीधा उल्लंघन है। छात्रों का तर्क है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में जहा लाखों युवा सरकारी नौकरियों की तैयारी कर रहे हैं, डोमिसाइल लागू होने से उन्हें अधिक अवसर प्राप्त होंगे। यह न केवल स्थानीय प्रतिभा को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि राज्य की सेवा करने वाले अधिकारी उत्तर प्रदेश के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश से परिचित हों। कई राज्यों ने स्थानीय छात्रों को दी है वरीयता देश के अधिकांश राज्यों की सरकारी नौकरियों में स्थानीय (डोमिसाइल) को प्राथमिकता दी जाती है और अन्य राज्य के अभ्यर्थियों को सीमित अवसर ही मिलते हैं। उत्तराखंड व छत्तीसगढ़ में अनारक्षित वर्ग के लगभग 20 फीसदी पद दूसरे राज्यों के छात्रों के लिए खुले हैं, हरियाणा में यह 25 प्रतिशत है, जबकि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और दिल्ली में लगभग 10-15 प्रतिशत अवसर ही मिलता हैं। बिहार में यह केवल 10-15 फीसदी तक देने की बात चल रही है, वहीं जम्मू-कश्मीर में राज्य सेवाओं में अन्य राज्य वालों को अवसर नहीं है। ये प्रतिशत संबंधित राज्यों के आधिकारिक भर्ती नियमों पर आधारित हैं। छात्रों की मांग उत्तर प्रदेश की सभी प्रमुख भर्तियों में डोमिसाइल नीति लागू हो। स्थायी निवास प्रमाणपत्र के आधार पर स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता मिले। दक्षिण भारत के राज्यों में भाषा के आधार पर छात्रों को बाहर करना बंद हो। सर्वाधिक बेरोजगारों वाले उत्तर प्रदेश में डोमिसाइल नीति सबसे अधिक जरूरी। मेरिट और अवसर का संतुलन बनाए रखने के लिए अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों के लिए सीमित प्रतिशत कोटा तय हो। --हमारी भी सुनें-- अभी हाल ही में बिहार समेत पड़ोस के राज्यों में डोमिसाइल व्यवस्था लागू हुई है। उसी प्रकार यूपी में भी यह व्यवस्था लागू होनी चाहिए। दूसरे राज्यों के छात्रों के यूपी की भर्तियों में

प्रतिभाग करने से मेरिट बढ़ जाती है और यहां के अभ्यर्थियों के अवसर कम हो जाते हैं। राजन त्रिपाठी योगी सरकार ने कई मोर्चों पर युवाओं के हित में कदम उठाए हैं, लेकिन यह मसला अभी भी लंबित है। यदि अन्य प्रदेश हमारे युवाओं के लिए दरवाजे बंद कर रहे हैं, तो उत्तर प्रदेश को भी संतुलन बनाना चाहिए। यह संकीर्णता नहीं, बल्कि अपने युवाओं के भविष्य की सुरक्षा है। सुनील कुमार उत्तर प्रदेश में भी अन्य राज्यों की तरह पीसीएस (प्रांतीय सिविल सेवा) परीक्षा में निवास स्थान (डोमिसाइल) और 10 प्रतिशत का नियम लागू किया जाना चाहिए। इस कदम से राज्य के युवाओं को अपनी ही नौकरशाही में अधिक प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे स्थानीय समस्याओं और आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा। प्रदीप अवस्थी जब हिंदी पट्टी के लगभग सभी राज्य जैसे बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड इत्यादि ने डोमिसाइल आधारित आरक्षण लागू किया हुआ है तथा उत्तर-पूर्वी एवं दक्षिण भारतीय राज्यों में विशेष नियमों के तहत आवास एवं भाषा आधारित आरक्षण लागू किया है तो यूपी में सभी राज्यों के अभ्यर्थियों को आमंत्रित करके इतनी उदारता क्यों दिखाई जा रही है? गौरव चौहान उत्तर प्रदेश की प्रतियोगी परीक्षाओं में केवल यूपी डोमिसाइल को लागू किया जाए। अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों से स्थानीय युवाओं के लिए अवसर कम हो रहे हैं। रोजगार पर सबसे पहला अधिकार प्रदेश के छात्रों का होना चाहिए। सरकार से निवेदन है कि तुरंत डोमिसाइल नियम लागू करे। यह यूपी के बेरोजगार युवाओं के भविष्य और न्याय का सवाल है। अंकित तिवारी उत्तर प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं में डोमिसाइल नीति लागू करना बहुत आवश्यक है। स्थानीय युवाओं को नौकरी में प्राथमिकता देने के लिए यह नीति जरूरी है। अन्य राज्यों में डोमिसाइल लागू होने से यूपी के युवा वहां अवसरों से वंचित हैं। सरकार से मांग है कि यूपी में भी डोमिसाइल नीति लागू की जाए। यह कदम स्थानीय युवाओं के हितों की रक्षा करेगा। क्षितिज तिवारी उत्तर प्रदेश की जनसंख्या और यहां बढ़ती बेरोजगारी को देखते हुए, उत्तर प्रदेश सरकार को बिहार व अन्य राज्यों की तरह यहां की भर्तियों में तो वरीयता मिलनी ही चाहिए। अन्य राज्यों की नीति का अध्ययन करने के साथ समुचित व्यवस्था लागू हो ताकि यूपी के छात्रों को इसका लाभ मिले। पूजा राजपूत उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी का आलम यह है कि किसी भी भर्ती के लिए पांच लाख से अधिक आवेदन आम है। ऐसे में जबकि दूसरे राज्य अपने स्थानीय युवाओं को वरीयता दे रहे हैं तो उत्तर प्रदेश सरकार को भी डोमिसाइल डोमिसाइल नियम लागू करना चाहिए जिसका लाभ उत्तर प्रदेश के निवासी छात्र-छात्राएं उठा सकें। आदर्श मिश्रा श्रिंसश यूपी के प्रतियोगी छात्रों के साथ जब दूसरे राज्यों में भेदभाव हो रहा है तो कम से कम अपने राज्य की भर्तियों में तो वरीयता मिलनी ही चाहिए। अन्य राज्यों की नीति का अध्ययन करने के साथ समुचित व्यवस्था लागू हो ताकि यूपी के छात्रों को इसका लाभ मिले। पूजा राजपूत उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी का आलम यह है कि किसी भी भर्ती के लिए पांच लाख से अधिक आवेदन आम है। ऐसे में जबकि दूसरे राज्य अपने स्थानीय युवाओं को वरीयता दे रहे हैं तो उत्तर प्रदेश सरकार को भी डोमिसाइल नीति लागू करनी चाहिए। दीपक हम यूपी के छात्र जब दूसरे राज्यों की भर्तियों के लिए आवेदन करते हैं तो बेगानेपन का अहसास होता है। दूसरे राज्यों की भर्तियों में डोमिसाइल लागू होने के कारण निश्चित रूप से हम कहीं न कहीं पिछड़ जाते हैं। इसलिए यूपी में यह नियम लागू होना चाहिए। ऋषभ तिवारी उत्तर प्रदेश में भी डोमिसाइल नीति लागू होनी चाहिए। जब दूसरे राज्य अपने छात्रों को प्राथमिकता दे रहे हैं तो यूपी में सबके लिए भंडारा क्यों लगा रखा है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में डोमिसाइल हमारा मौलिक अधिकार है, जिस पर सरकार को ध्यान देने की जरूरत है। वीर सिंह दूसरे राज्यों के प्रतियोगी यहां आकर टॉप करते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। पहले यूपी के बच्चों को दूसरे राज्यों की तरह वरीयता मिलनी चाहिए। एक तरफ हम बाहर अवसर से वंचित हैं तो दूसरी ओर अपने ही राज्य में उपेक्षा का शिकार हैं। उमेश पी. सिंह यूपी के प्रतियोगी छात्रों को भी डोमिसाइल का लाभ मिलना चाहिए। हम पक्षपात नहीं चाहते लेकिन जब दूसरे राज्यों में इसे बढ़ावा दिया जा रहा है तो सबसे अधिक बेरोजगारों वाले उत्तर प्रदेश में इस नीति को लागू करने पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। प्रियांशु श्रीवास्तव बिहार ने डोमिसाइल को लेकर नए सिरे से बहस छेड़ दी है। निश्चित रूप से प्रतियोगी छात्रों के लिए यह एक संवेदनशील मुद्दा है। सालों तैयारी के बाद भी नौकरी से वंचित रहने का दर्द सिर्फ एक छात्र ही समझ सकता है। सरकार इस पर विचार करे। रोहन शुक्ला

सिर, हाथ-पैर कटी लाश नाले में फेंक कर भागा स्कूटी सवार, यूपी में दिल दहलाने वाला मर्डर

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज नैनी में औद्योगिक थाना क्षेत्र की कुरिया यादव बस्ती के समीप मंगलवार दोपहर नाले में एक किशोर की सिर, हाथ-पैर कटी लाश मिलने से सनसनी फैल गई। स्कूटी सवार अधेड़ पन्नी और कपड़े में लिपटी लाश फेंक कर फरार हो गया। घटनास्थल के समीप भैंस चरा रही वृद्धा के शोर मचाने पर ग्रामीण जुट गए। स्थानीय पुलिस ने फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड के साथ पड़ताल की। बिना सिर, पैर और हाथ कटी लाश 16-17 वर्षीय किशोर की बताई जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल से लेकर दो किमी दूरी तक सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है।

औद्योगिक थाना क्षेत्र के सरस्वती हाईटेक सिटी में कुरिया यादव बस्ती के पास मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे ग्रे कलर की स्कूटी पर सवार अधेड़ व्यक्ति पहुंचा। उसने सफेद रंग की शर्ट और लोवर पहन रखी थी। प्रत्यक्षदर्शी वृद्धा उस वक्त स्कूटी सवार से कुछ दूरी पर भैंस चरा रही थी। वृद्धा के मुताबिक स्कूटी सवार

बड़ा सा काले रंग का बैग लेकर आया था। उसने बैग से एक बड़ा कपड़ा निकाला और नाले में फेंक दिया। वृद्धा ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन स्कूटी सवार तेजी से अजवैया की ओर भाग निकला। ग्रामीणों की सूचना पर औद्योगिक थाना प्रभारी विपिन कुमार पाल मयफोर्स पहुंचे। नाले से शव निकाला गया, तो लाश सफेद प्रिंट कपड़े में लिपटी मिली। कपड़े के नीचे एक नीले रंग की पॉलीथीन थी। पुलिस ने हत्या कर शव को टुकड़े करने के बाद फेंकने की आशंका व्यक्त की है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज खंगालने में जुटी है।

डीसीपी यमुनानगर विवेकचंद्र यादव ने बताया कि अधकटी लाश को कब्जे में लेकर शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ व सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। जल्द ही फरार स्कूटी सवार की पहचान कर ली जाएगी।

सरस्वती हाईटेक सिटी कुरिया यादव बस्ती के समीप सिर, पैर व हाथ कटी लाश मिलने के बाद ग्रामीणों में भी तरह-तरह की चर्चा बनी हुई है। ग्रामीणों ने हॉरर किलिंग का मामला होने पर भी आशंका व्यक्त की है। ग्रामीणों का कहना है कि हत्यारों ने सिर, पैर व हाथ काटकर शव को फेंका, ताकि मृतक की शिनाख्त नहीं हो सके। आशंका है कि आसपास कुछ दूरी में ही कटी सिर, हाथ व पैर भी फेंका जा सकता है।

यूनीफॉर्म में आने वाले बच्चे का लगेगा फ्लैक्स

प्रयागराज। परिषदीय विद्यालयों में पूर्ण यूनीफॉर्म में सबसे अधिक उपस्थित रहने वाले छात्र-छात्रा का एक पूर्ण यूनीफॉर्म में फोटो फ्लैक्स लगाया जाएगा। बीएसए देवव्रत सिंह ने सभी

खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक के 20 अगस्त के आदेश के अनुपालन में परिषदीय विद्यालयों में पूर्ण यूनीफॉर्म मे सबसे अधिक उपस्थित रहने वाले छात्र-छात्रा का एक पूर्ण यूनीफॉर्म में फोटो फ्लैक्स पर प्रिंट कराकर कक्षा-कक्ष के बाहर लगवाना सुनिश्चित करें। इससे संबंधित व्यय विद्यालय के कम्पोजिट ग्रांट से वहन किया जाएगा।

संगम स्नान को आए चाचा-भतीजे से मारपीट

प्रयागराज। कानपुर के थाना ग्वालटोली के मकरावटगंज निवासी डॉ. नन्हे लाल ने अपने साले सोहबतियाबाग निवासी मधुप विश्वास पर दो अन्य लोगों के साथ मिलकर मारपीट का आरोप लगाते हुए कीडगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। डॉ. नन्हे लाल की तहरीर के अनुसार, उनकी पत्नी अंजना बीते दस वर्षों से अलग रह रही है। इसे लेकर न्यायालय में मुकदमा भी चल रहा है। आरोप है कि 22 अगस्त को डॉ. नन्हेलाल अपने भतीजे के साथ संगम स्नान करने आए थे। स्नान-ध्यान के बाद घर लौटने के लिए प्रयागराज जंक्शन जा रहे थे। रास्ते में हर्षवर्धन चौराहे के समीप आरोपियों ने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

सर्राफ को लूटने वाला मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

प्रयागराज। चार दिन पहले सराफा कारोबारी को तमंचे के बल पर लूटने वाले गिरोह के एक बदमाश को पुलिस व एसओजी की टीम ने बुधवार की भोर में मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। फूलपुर के शेफखानपुर के समीप हुई मुठभेड़ में प्रतापगढ़ के जेठवारा निवासी बदमाश रमेश सरोज के पैर में गोली लगी।

उसके पास से लूटी गई लगभग एक किलो चांदी के जेवरात, एक तमंचा, दो कारतूस व एक बाइक बरामद की गई है। हालांकि अधेरे का लाभ उठाकर उसके दो साथी भाग निकले। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि 24 अगस्त की रात लगभग साढ़े आठ बजे फूलपुर के परसाडीह के पास से सराफा कारोबारी शिवशंकर सोनी निवासी चक भिखारी उर्फ पपरसाडीह से बाइक सवार तीन बदमाशों ने सोने-चांदी के जेवरात लूट लिया था।

फूलपुर थाने की पुलिस व एसओजी की टीम बुधवार की भोर लगभग चार बजे शेफखानपुर के पास संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी बीच एक बाइक पर तीन संदिग्ध युवक आते दिखे। उन्हें रूकने का इशारा किया गया, तो पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगे।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में रमेश सरोज निवासी ग्राम सराय नाहर राय थाना जेठवारा, प्रतापग,ढ़ पैर में गोली लगने से गिर गया।

हालांकि इस बीच उनके दो साथी फरार हो गए। घायल रमेश सरोज को अस्पताल भेजकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

स्कूल में बंदर ने बच्ची को काटा, शहर में इंजेक्शन नहीं

प्रयागराज। आवारा कुत्ते ही नहीं बल्कि बंदर भी बच्चों पर घातक हमले कर रहे हैं। मंगलवार को रीवा रोड पर स्थित कांटी गांव की एक छात्रा पर गौहनिया स्थित एक निजी स्कूल में बंदर ने हमला कर दिया। बंदर ने कक्षा एक में पढ़ने वाली मानसी के दाहिने हाथ में काटकर गहरा जख्म कर दिया। स्कूल में ही छात्रा दर्द से कराहने लगी।

शिक्षकों ने बच्ची के परिजनों को सूचना दी। बेटी को लेकर परिजन जसरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गए। वहां पर उसे एंटी रैबीज का इंजेक्शन लगाया गया और फिर जख्म गहरा होने पर इम्यूनोग्लोबलिन इंजेक्शन लगवाने के लिए बेली अस्पताल रेफर कर दिया गया। बच्ची को लेकर परिजन बेली अस्पताल पहुंचे तो इम्यूनोग्लोबलिन इंजेक्शन उपलब्ध न होने के कारण उसे लौटा दिया गया। बच्ची को लेकर परिजन कई निजी अस्पतालों में भी गए पर इंजेक्शन नहीं मिला। अब बुधवार को परिजन बच्ची को इलाज के लिए पीजीआई ले जाएंगे।

विधायक सदर, डीएम एवं एसपी ने साइबर थाना भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया

जनपद में साइबर थाना की स्थापना से साइबर अपराधों पर लगेगा अंकुश, पीड़ितों को शीघ्र मिलेगा न्याय

प्रतापगढ़। रिजर्व पुलिस लाइन परिसर प्रतापगढ़ में साइबर थाना (प्रशासनिक भवन) का विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार द्वारा संयुक्त रूप से पूजा–अर्चना कर भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया।

साइबर थाना भवन के निर्माण से जनपद में साइबर

अपराध नियंत्रण एवं जांच व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी, साथ ही लोगो को साइबर अपराध सम्बन्धी शिकायतों के निस्तारण हेतु त्वरित एवं पारदर्शी सुविधा उपलब्ध होगी।

साइबर थाना की स्थापना से जनपद में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने, त्वरित विवेचना एवं पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने में प्रभावी कदम उठाया जा सकेगा। यह कदम शासन की जीरो टालरेंस नीति के अनुरूप साइबर अपराधों के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही को और अधिक गति प्रदान करेगा। इस अवसर पर विधायक सदर प्रतिनिधि अरूण कुमार मौर्य, पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारी एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने गणेश चतुर्थी पर किया कलश यात्रा का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर नगर में धार्मिक उत्साह और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। नई मंडी स्थित श्री गणेश जन्मोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका परिषद् की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कलश यात्रा के माध्यम से किया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में भक्तजन महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हुए। मंगल गीतों और गणपति बप्पा के जयघोष के साथ वातावरण भक्तिमय हो उठा।

श्री सिद्धि विनायक गणेश जन्मोत्सव समिति संजय मार्ग पटेलनगर के द्वारा इस बार 19वां श्री गणेश जन्मोत्सव समारोह 27 अगस्त से 04 सितम्ब्र तक धूमधाम से मनाया जा रहा है। बुधवार को सुबह पटेलनगर स्थित जय मां शक्ति मंदिर परिसर से कलश यात्रा एवं श्री गणेश जी स्थापना उत्सव प्रारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने मंदिर परिसर में पूजन और आरती के बाद कलश यात्रा का शुभारंभ कराया। यहां पंडित अवधराज आचार्य ने पूजन अर्चन कराया। इसमें सैंकड़ों भक्तजन शामिल रहे। गणेश वंदना के उपरांत भव्य झांकी निकाली गई। कलश यात्रा नई मंडी वकील रोड स्थित बड़ी धर्मशाला में पहुंची, जहां विधिविधान के साथ भगवान श्री गणेश प्रतिमा की स्थापना करते हुए पूजन किया गया। मैजिक डांस एकेडमी के बच्चों ने सुन्दर धार्मिक व सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में जन्मोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप और अन्य अतिथियों का पटका पहनाकर स्वागत किया। मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि गणेश चतुर्थी केवल धार्मिक पर्व ही नहीं बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विघ्नहर्ता गणेश सभी के जीवन से संकटों को दूर कर सुख–समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करते हैं। नगर की सुख–शांति और उन्नति के लिए उन्होंने भगवान गणेश से आशीर्वाद की कामना की। इस अवसर पर मुख्य रूप से युवा भाजपा नेता विकल्प जैन, संजय कुमार गर्ग, रामपाल तायल, पंकज सिंघल, दिनेश पाल, अंकित गर्ग, समकित जैन, विपिन पाल, देवेन्द्र कुमार बंसल सहित नगर के कई गणमान्य लोग और सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

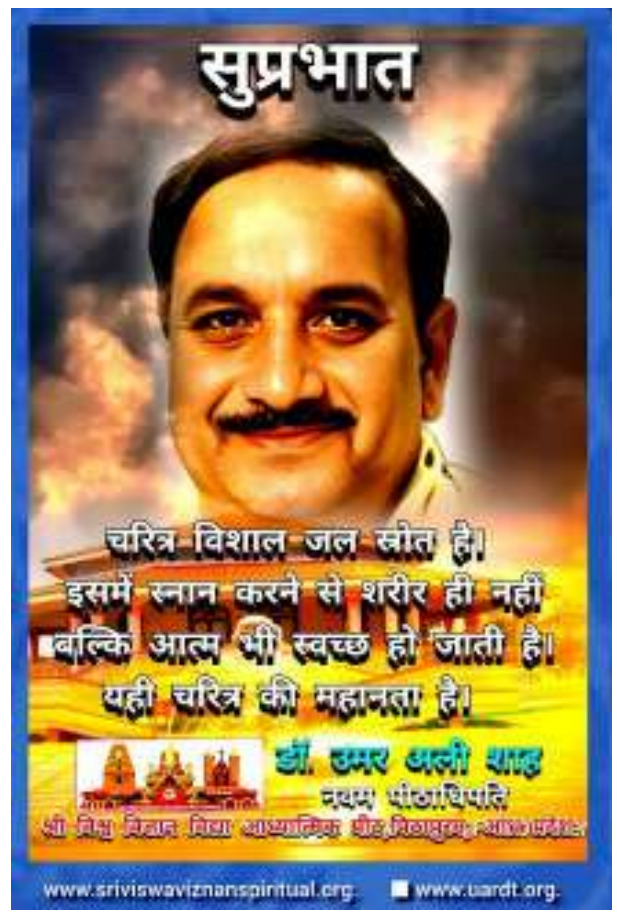

प्यारा एक गुलाब

(कुण्डलिया)

घर के गुलशन में खिला, प्यारा एक गुलाब।
कहने को यह फूल है, है यह एक किताब।
है यह एक किताब, प्यार के परिभाषा की।
गाते है जो गीत, दिलों के अभिलाषा की।
सुन लो कहें प्रदीप, बात छोटी सी कहके।
प्यारा है नगमात, महकते गुलशन घर के।।

पुस्तक से बाहर निकल, करता जब आदाब।
सूखे हुए गुलाब ने, महकाया तब ख्वाब।
महकाया तब ख्वाब, सुहानी यादें बनकर।
मन के सारे भाव, महकते हैं बन ठनकर।
सुन लो कहें प्रदीप, कर रही धड़कन धक धक।
कहती मधुर प्रसंग, गुलाबी लगती पुस्तक।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कल्पना चावला शकुन्तला नरगिस नूतन मधुबाला है..

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय में बुधवार को दीक्षोत्सव के अन्तर्गत महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम समन्वयक, डीन विद्यार्थी कल्याण प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने महिला समारोह का दीप जलाकर उद्घाटन किया। डॉ. पीयूष मिश्र ने सम्मेलन में उपस्थित महिला शक्ति के प्रति वाचिक स्वागत उद्बोधन किया। इसके बाद संयोजिका डॉ. अलका मिश्रा ने सम्मेलन के उद्देश्य पर

प्रकाश डाला।

महिला कवयित्री श्रीमती रिंकी मिश्रा ने ‘नारी श्रद्धा मनुशतरुपा गार्गी और अपाला है, कल्पना चावला शकुन्तला नरगिस नूतन मधुबाला है ‘ काव्य पंक्तियां सुनाकर नारी सशक्तीकरण का संदेश दिया।

श्रीमती नीलम तिवारी ने ‘सत्य ही सार है बाकी सब कुछ असार, बेटी को बेटा कहकर जताते हैं प्यार‘ कविता पढ़कर नारी की महत्ता सिद्ध की। शोधछात्रा जूही दास ने महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर के कारण लक्षण, और निवारण पर व्याख्यान देकर महिलाओं को जागरूक किया।

डॉ. गीतांजलि श्रीवास्तव, डॉ. कविता गौतम ने भी अपने अनुभव साझा कर महिलाओं को जागरूक किया। संचालन डॉ. प्रिया झा ने किया। सह संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर डॉ. सोनम राय, डॉ. भावना कुमारी, डॉ. शालिनी दुबे, डॉ.अनुप्रिया, श्यामपती, डॉ. राघवेन्द्र श्रीवास्तव, कवि कपिल देव तिवारी, डॉ. सौरभ द्विवेदी, डॉ. विशाल, डॉ. मनोज यादव, परिमल, पुनीत इत्यादि उपस्थित रहे।

प्रतापगढ़ की चयनित मुख्य सेविकाओं को विधायक सदर व भाजपा जिलाध्यक्ष ने नियुक्ति पत्र का किया वितरण

नवनियुक्त मुख्य सेविकायें अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करें: विधायक सदर

प्रतापगढ़। आज उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में चयनित 2425 मुख्य सेविकाओं एवं 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली जनपद प्रतापगढ़ की श्रेया पाण्डेय निवासी विष्णुपुर कला (रानीगंज) को नियुक्ति पत्र का वितरण लखनऊ में किया गया।

इसी क्रम में जनपद प्रतापगढ़ के क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी सभागार में विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव व अन्य अतिथियों ने जनपद प्रतापगढ़ की चयनित 50 मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर लखनऊ के लोकभवन में आयोजित मा0 मुख्यमंत्री के नियुक्ति पत्र वितरण एवं संबोधन कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। नियुक्ति पत्र पाने वालों में सोनी पारवती, प्रतिभा देवी, अराधना साहू, अशिफा परवीन, अनामिका पाण्डेय, शिवानी शुक्ला, नेहा, डॉली सिंह, माही पटेल, नीलम पटेल, सुचिता सिंह, प्रगती श्रीवास्तव, संध्या वर्मा, अंकिता मौर्या, प्रीती यादव, अनुपम सिंह, पूजा पटेल, खुशबू तिवारी, अंकिता देवी, कु0 पंकज सिंह, वन्दना गौतम, शिवानी श्रीवास्तव, तारा वर्मा, माला देवी, अनुभा देवी, ललिता देवी, कीर्ती तिवारी, पूनम मौर्या, रेखा पटेल, प्रतिमा वर्मा, रीना, सीमा यादव, वन्दना गौतम, राजेश्वरी, रितु मिश्रा, ममता गुप्ता, आस्था यादव, नीलम यादव, सीमा शर्मा, रोशनी, साक्षी पाण्डेय, नीलम सरोज, अकांक्षा सिंह, सपना गौतम, साक्षी सिंह, अस्मिता त्रिपाठी, शिवानी शुक्ला, नीतिका सरोज, दामिनी पाण्डेय व एकता सिंह के नाम शामिल है। इस अवसर पर विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य ने नव चयनित मुख्य सेविकाओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के निष्पक्ष और कुशल कार्य प्रणाली का ही परिणाम है कि जो जितनी मेहनत कर रहा है उसे उसका फल मिल रहा है, आप सभी लोग अपने पद के दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करें। उन्होने यह भी कहा कि समाज की नींव

बच्चों के क्षेत्र में अच्छे से कार्य करें जिससे बच्चों का स्वास्थ्य अच्छा रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने नवनियुक्त मुख्य सेविकाओं को महत्वपूर्ण दायित्व एवं कार्य का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने नवनियुक्त मुख्य सेविकाओं से कहा कि बच्चों के पोषण/स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन अच्छे से करें जिससे समाज में महत्वपूर्ण स्थान आपका रहे। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्योति शाक्य ने आये हुये अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद के प्रतिनिधि राय साहब, विधायक सदर प्रतिनिधि अरूण कुमार मौर्य, विधायक विश्वनाथगंज प्रतिनिधि राबिन पटेल व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

बाबा भयहरण नाथ धाम में हरि तालिका तीज मेला का हुआ भव्य आयोजन

करीब 15 हजार क्षेत्रीय महिलाओं नें देर रात्रि तक किया गौरी शंकर का पूजन

सामाजिक कार्यकर्ता अभय सिंह व विवेक सिंह को समाज रत्न से किया गया सम्मानित

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन ऐतिहासिक व पर्यटक स्थल बाबा भयहरण नाथ धाम में हरि तालिका तीज मेला का भव्य आयोजन किया गया। अपराह्न 2 बजे से प्रारंभ हुए तीज मेले में तकरीबन 15 हजार क्षेत्रीय महिलाओं नें देर रात्रि तक गौरी शंकर महादेव का पूजन अर्चना करती रही। इस अवसर पर भहरण नाथ धाम की प्रबन्ध समिति व लोक भारती प्रतापगढ़ द्वारा वन विभाग तथा नगर पंचायत की सहभागिता से 551 महिलाओ को पौध रोपण हेतु प्रसाद रूप में वितरित किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता अभय सिंह हिंदूपुर व विवेक सिंह गौरा को समाज में उत्कृष्ट योगदान हेतु महान क्रांतिकारी राजा बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न से सम्मानित किया गया। मंगलवार का परम्परा गत मेला होने के नाते सुबह से ही सामान्य मेला था। तीज का पर्व भी होने के कारण दोपहर 2 बजे से हरियाली तीज मेला के रूप में भीड़ बढ़ने लगी।

महिलाओ का समूह चारों दिशाओं से धाम की ओर बढ़ा जो देर रात्रि तक जारी रहा। शाम चार बजे से महासचिव समाज शेखर के मार्गदर्शन में मेला व मन्दिर की व्यवस्था का सुचारु संचालन हुआ। थानाध्यक्ष सुभाष यादव व चौकी प्रभारी राजीव वर्मा नें उत्तम पुलिस व्यवस्था की। पर्याप्त पुलिस बल, महिला पुलिस आदि की व्यवस्था सभी प्रमुख स्थानों पर थी। पार्किंग की कुछ समस्या आई जिसे थानाध्यक्ष नें स्वयम नियन्त्रित किया। इस अवसर पर लोक भारती के जिला संयोजक दिनेश शर्मा ने प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के पदाधिकारीयों के साथ आई हुई महिलाओ को प्रसाद रूप में आँवला, अमरूद व बेल आदि के पौध रोपण हेतु वितरित किया गया। मुख्य मन्दिर के पुजारी भोला नाथ तिवारी सहित सभी मंदिरों में पुजारी व कर्मचारियों ने अपनी सतर्क भूमिका निभाई। सभी को सहज दर्शन पूजन कराया। मेला सचिव अनिल मिश्र व मन्दिर सचिव मुरली पांडेय के संयोजन में सभी कार्यकर्ता अपनी सराहनीय भूमिका निभाए। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र, स्वच्छता नायक राज कुमार , देवी प्रसाद मिश्र, अशोक मिश्र, मतेंद्र कीर्ति, राजू अग्रहरि, धर्मेंद्र पटेल, प्रभाकर राय, पप्पू द्विवेदी, विभव सिंह आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रदेश में कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत 14.15 लाख युवाओं को दिया गया प्रशिक्षण व 5.50 लाख हुए सेवायोजित

प्रतापगढ़। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए अनेको योजनायें संचालित कर उन्हें रोजगार से लगा रहे है। उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत प्रशिक्षण दिलाते हुए ‘सबको हुनर, सबको कामष्’ की नीति पर चलते हुए प्रदेश सरकार युवाओं/युवतियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बना रही है। प्रदेश के बहुत से युवक/युवतियों शिक्षित तो होते है, किन्तु बिना किसी हुनर, कौशल के वे रोजगार से नहीं लग पाते है। प्रदेश सरकार उन्हें रोजगार से लगाने के लिए कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत प्रशिक्षण दिलाती है और सम्बन्धित ट्रेड्स में प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त उन्हें स्वयं का बिजनेस, उद्यम स्थापित करने के लिए सहयोग एवं सरकारी/निजी क्षेत्र में सेवायोजित कराती है। उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत प्रशिक्षण लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए यह जरूरी है कि वह उ0प्र0 का मूल निवासी हो और उसकी आयु 18 से 35 वर्ष की होना चाहिए। कुछ ट्रेड्स में आयु में शिथिलता है। प्रशिक्षण लेने के लिए आवेदक को आवेदन ऑनलाइन भरते समय आधार कार्ड, निवास, आयु, शैक्षिक योग्यता के प्रमाण, बैंक खाता नम्बर, पासपोर्ट साइज की फोटो, मोबाइल नम्बर आदि संलग्न करना होता है। प्रदेश में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की संख्या को बढ़ाकर 324 किया गया है, जिससे वर्तमान में प्रवेशित सीटों की संख्या 1.84 लाख हो गयी है। अप्रेन्टिसशिप योजना के अन्तर्गत वर्ष 2024 में 69 हजार से अधिक युवाओं को उद्योगों व एम0एस0एम0ई0 में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उ0प्र0 कौशल विकास मिशन द्वारा विगत 08 वर्षों में 14.15 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया जिनमें से 5.40 लाख युवाओं को सेवायोजन भी प्राप्त हुआ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा उद्योगों की माँग के अनुरूप राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन (एन0एस0डी0सी0) तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित क्वालिफिकेशन पैक्स/नेशनल आवयूपेशनल स्टैण्डर्ड आधारित कुल 38 सेक्टर्स से 2750 से अधिक पाठ्यक्रम अनुमन्य किये गये है। वर्तमान में 452 निजी प्रशिक्षण प्रदाता, 334 राजकीय प्रशिक्षण प्रदाता और 25 फ्लैक्सी प्रशिक्षण प्रदाता मिशन, 34 दिव्यांग प्रशिक्षण प्रदाता, 268 स्टार्ट–अप प्रशिक्षण प्रदाता तथा 10 एन0एस0डी0सी0 तथा एस0एस0सी0 प्रशिक्षण प्रदाता उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के साथ आबद्ध किये जा चुके है। इसके अतिरिक्त दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अन्तर्गत 415 प्रशिक्षण को भी अनुबंधित किया गया है।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2027 तक 01 ट्रिलियन डालर के स्तर तक ले जाने के उद्देश्य से मैन पॉवर तैयार किये जा रहे है। यू0पी0जी0आई0एस0 2023 में विभाग हेतु 71 निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे रू0 7031 करोड़ की धनराशि का निवेश अग्रेतर वर्षों में होने की सम्भावना है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा स्कूली छात्र व छात्राओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किये जाने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट प्रवीण प्रारम्भ किया गया है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अधिकाधिक युवाओं को प्रशिक्षित कर सेवायोजित कराये जाने का लक्ष्य है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन को अवॉर्डिंग बांडी की मान्यता प्राप्त करा कर अपने मॉगपरक पाठ्यक्रम तैयार करने, मूल्यांकन व प्रमाण–पत्र प्रदान करने हेतु सक्षम बनाया गया है। राजकीय आई0टी0आई0 में इन्डस्ट्री 4.0 की अपेक्षाओं के अनुरूप अभिनव ट्रेड्स यथा ड्रोन टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षण प्रारम्भ कराया गया है। इसके साथ–साथ नवीन प्रौद्योगिकी व सेवाक्षेत्र यथा इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी तथा लाजिस्टिक्स से सम्बन्धित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये आई0वी0एम0, टी0सी0एस0 तथा फ्लिपकार्ट जैसी कम्पनियों के साथ अनुबंध किया गया है। उद्योगों की माँग एवं इन्डस्ट्री 4.0 की आकांक्षाओं के अनुसार एवं सेवायोजकता के दृष्टिगत टीटीएल एवं उनके कन्सोटियम द्वारा सी0एस0आर0 के सहयोग से 149 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों एवं 01 प्रादेशिक स्टाफ प्रशिक्षण एवं शोध केन्द्र में कौशलम केन्द्र की स्थापना की गयी जिसमें 11 दीर्घकालीन न्यू एज कोर्स एवं 23 शार्ट टर्म कोर्सेस का प्रशिक्षण कराया जा रहा है। वर्तमान में 11,000 से अधिक प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षणरत है। इस परियोजना में रू0 4,282 करोड़ की धनराशि का निवेश किया गया है।

शिल्पकार अनुदेशक प्रशिक्षण योजना (सी0आई0टी0एस0) के अन्तर्गत प्रादेशिक स्टॉफ शिक्षण एवं शोध केन्द्र (आई0टी0ओ0टी0) लखनऊ में संचालित 06 व्यवसायों को बढ़ाकर 10 व्यवसायों का कराया जा रहा है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के 39 हजार से अधिक प्रशिक्षार्थियों को उद्योगों व एम0एस0एम0ई0 में प्रथम बार 07 से 15 दिवस की ऑन–जॉब ट्रेनिंग कराई गई है। उ0प्र0 कौशल विकास मिशन द्वारा दिव्यांगों हेतु विशिष्ट प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित कर संचालित कराये गये हैं। प्रशिक्षण में उद्योगों की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश के 227 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में संचालित हो रहे व्यवसायों में से 52 व्यवसायों की 17,156 सीटों को ड्यूल सिस्टम ऑफ ट्रेनिंग (डीएसटी) के अन्तर्गत 03 से 06 माह का प्रशिक्षण अनुबन्धित किया गया है।

प्रधानमंत्री इन्टर्नशिप योजना/अप्रैन्टिसशिप योजना की ब्रान्डिंग करते हुये अधिक से अधिक युवाओं को भत्ते के साथ उद्योगों में प्रशिक्षण प्रदान कराया जा रहा है। अप्रैन्टिसशिप प्रशिक्षण उद्योगों में केन्द्र सरकार द्वारा ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से संचालित किया जा रहा है एवं योजना के प्रोत्साहन हेतु एन0ए0पी0एस0 लागू करते हुये सम्बन्धित अधिष्ठान द्वारा प्रदान की गयी वृत्तिका के सापेक्ष 25 प्रतिशत (अधिकतम 1500 प्रशिक्षार्थी प्रति गाह) की प्रतिपूर्ति की जाती है। उक्त योजना के अन्तर्गत प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री अप्रैन्टिस प्रोत्साहन योजनान्तर्गत रूपये 1000 प्रति प्रशिक्षार्थी प्रति माह की प्रतिपूर्ति की जा रही है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन को अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए पिछले 05 वर्षों में 05 पुरस्कार प्राप्त हुये है, जिनमें एसोचौम द्वारा वर्ष 2018–19 में वेस्ट स्टेट इन स्किलिंग की गोल्ड ट्राफी, वर्ष 2020–21 में इलैट्स द्वारा 17वीं वर्ल्ड एजूकेशन समिट, 2020 में कोर्स राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय ऑन लाइन लर्निंग प्लेटफार्म के माध्यम से प्रदेश के 50 हजार छात्रों को निःशुल्क प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सर्टिफिकेट ऑफ रिक्गनीशन स्काच ग्रुप द्वारा स्किल इनीशिएटिवस के लिये गोल्ड सर्टीफिकेट तथा कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इण्डिया द्वारा ई–गर्वनेन्स श्रेणी में एवार्ड ऑफ एग्रीसिएशन सम्मिलित है।

शिवालिक पहाड़ियों एवं मैदानी क्षेत्र में हुई बारिश के बाद घाड़ क्षेत्र की कई नदियां उफान पर

(राजीव गोयल)

सहारनपुर । (शाकंभरी/मिर्जापुर)। शिवालिक पहाड़ियों एवं मैदानी क्षेत्र में रात्रि में हुई बारिश के बाद घाड़ क्षेत्र की कई नदियां रात्रि में उफान पर रहीं। हालांकि सुबह होने तक पानी कुछ कम हो गया। मैदानी क्षेत्र में पूरी रात बारिश होती रही। घाड़ क्षेत्र की नौगांवा एवं शाहपुर गाड़ा नदी में पानी का तेज उफान आ गया। गांव नौगांवा में बेलका माफी की तरफ से आने वाले रास्ते से नदी के रास्ते से प्रवेश होता है। रात्रि में लेट आने वाले ग्रामीणों ने बताया कि नदी का बहाव तेज था, जिसके चलते वह नदी पार नहीं कर पाए। गांव में आने के लिए दूसरे पुल के रास्ते से ही गांव में आ सके। वहीं शाहपुर गाड़ा रपटे पर आने जाने वाले राहगीर भी पानी का तेज बहाव होने के चलते दूसरे रास्ते बेहट से अपने गंतव्य को पहुंच पाए। इसके अलावा सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी की नदी (खोल) में पानी न आने से श्रद्धालुओं का रास्ता बाधित नहीं हुआ। श्रद्धालु मां के दर्शनों को आते जाते रहे।

सम्पादकीय.......

नस्लभेदी नजरिया

यूं तो जब से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में आए हैं विदेशियों, खासकर भारतीयों के खिलाफ अमेरिका में नस्लभेदी नजरिया लगातार अपनाया जा रहा है। पहले आप्रवासी भारतीय कामगारों के खिलाफ कथित अवैध आव्रजन का आरोप लगाकर उन्हें अपमानित करके अमेरिका से निकाला गया। यहां तक कि उनके साथ अमानवीय व्यवहार करके उत्पीड़न किया गया। उन्हें हथकड़ियां तक लगाई गईं। कभी आदर्श लोकतंत्र व उच्च मानवीय मूल्यों का दंभ भरने वाला अमेरिका आज ट्रंप की नस्लवादी नीतियों से अपनी प्रतिष्ठा खो बैठा है। पिछले दिनों ट्रंप ने आईटी उद्योग व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के शीर्ष पदों पर बैठे भारतीयों को हटाने तक की बात कही थी। तंग नजरिये के राष्ट्रवाद के प्रचार से सत्ता में आए ट्रंप लगातार भारत विरोधी नजरिया अपनाए हुए हैं। अतार्किक टैरिफ उसकी गवाही देते हैं। अब नया मुद्दा अमेरिका को खून–पसीने से सींचने वाले पंजाबी ट्रक ड्राइवरों की रोजी–रोटी से जुड़ गया। परदेस गए करीब डेढ़ लाख ट्रक ड्राइवरों के भविष्य पर सवालिया निशान लग गया है। दरअसल, अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत में पिछले दिनों एक भारतीय ट्रक चालक द्वारा गलत टर्न लेने से तीन अमेरिकी नागरिकों की मौत को बड़ा मुद्दा बना दिया गया है। उसके बाद अमेरिका में ट्रक चलाने वाले विदेशी चालकों को निशाने पर लिया जा रहा है। दलील दी जा रही है कि अमेरिका में लगातार बढ़ते विदेशी ट्रक चालकों की वजह से अमेरिकी नागरिकों का जीवन खतरे में पड़ गया है। जिसके चलते विदेशी ट्रक चालकों के वर्क वीजा और कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस पर रोक लगा दी गई है। जिसके चलते पंजाब से अमेरिका गए करीब डेढ़ लाख पंजाबी ट्रक ड्राइवरों की जीविका पर संकट पैदा हो गया है। दरअसल, दमखम रखने वाले पंजाबी गबरुओं का सपना रहा है कि अमेरिका में भारी–भरकम कमर्शियल वाहन चलाएं। वे भारत में प्रशिक्षण लेकर किसी भी देश का वीजा हासिल करके बाद में अमेरिका चले जाते हैं। वे महीने में पांच से छह सौ किलोमीटर ट्रक चलाकर पांच–छह लाख तक कमा लेते हैं। नस्लीय नजरिये से ग्रस्त ट्रंप शासन–प्रशासन यह नहीं देख रहा है कि इन ट्रक चालकों ने अमेरिका की समृद्धि में कितना योगदान दिया। इन ह्रष्ट–पुष्ट पंजाबी गबरुओं का विकल्प तलाशने में अमेरिका को भी खासी परेशानी होगी। वजह यह भी है कि अमेरिका मूल के लोग प्रवासियों की तुलना में भारी–भरकम मेहनताना मांगते हैं। अमेरिका के पास इतनी श्रमशक्ति नहीं है कि वह पंजाबी ट्रक चालकों का सहज विकल्प तलाश सके। लेकिन हकीकत को नजरअंदाज करके भारतीय चालकों को निशाना बनाया जा रहा है। इससे पहले ट्रक चालकों को इस बात को लेकर निशाना बनाया गया कि वे धाराप्रवाह अंग्रेजी नहीं बोल सकते। अंग्रेजी की अनिवार्यता के बाद करीब ढाई हजार लाइसेंस निलंबित किए गए। जाहिर, उनके परिवारों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। दलील दी जा रही है कि अमेरिका फर्स्ट की नीति के तहत विदेशी ट्रक चालकों के लिये अंग्रेजी भाषा में दक्षता अनिवार्य है। इतना ही नहीं लाइसेंस जारी करने वाले उन ट्रेनिंग स्कूलों को भी निशाने पर लिया जा रहा है जो कम समय में लाइसेंस जारी कर देते हैं। जैसा कि अपेक्षित था पंजाब की राजनीति में यह मुद्दा जोरशोर से उछलने लगा है। आम आदमी पार्टी, अकाली दल और कांग्रेस के नेताओं ने इस मुद्दे पर विदेश मंत्री से हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनकी मांग है कि प्रवासी भारतीय ड्राइवरों की समस्या का तुरंत समाधान किया जाए। खासकर भारतीय ट्रक चालकों का वर्क वीजा फ्रीज करने के मुद्दे को जोरशोर से उठाने की मांग की जा रही है। जाहिर है ऐसी स्थिति में पंजाबी ट्रक चालकों को नये रोजगार के विकल्प तलाशने होंगे।

बच्चों से वैज्ञानिक चिंतन छीनने का अपराध

डॉ. दीपक पाचपोर

अनुराग ठाकुर ने तर्क दिया कि ज्ञान परंपराओं का विस्तार अंग्रेजों द्वारा हमें दी गई पाठ्यपुस्तकों से आगे आना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से अनुरोध किया बच्चों को हमारे वेदों, हमारी पाठ्यपुस्तकों और हमारे ज्ञान की ओर भी ले जाने की कोशिश करें।

पूर्व केंद्रीय मंत्री, हमीरपुर से भाजपा सांसद और भरी सभा में गोली मारो जैसे नारे लगाकर भीड़ को उकसाने वाले अनुराग ठाकुर के निशाने पर अब शायद देश के बच्चे आ गए हैं। वैसे अकेले अनुराग ठाकुर ही नहीं, खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत भाजपा के कई नेता, मंत्री और समर्थकों के निशाने पर इस समय वे मासूम बच्चे हैं, जिन्हें गलत दिशा में धकेल कर, उनकी तर्क और चिंतन शक्ति को छीन कर अपने राजनैतिक मकसद के इस्तेमाल की रणनीति भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बनाई है। इसमें अमीरों के बच्चे तो शायद बच भी जाएं, लेकिन गरीबों और निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चे कैसे मानसिक तौर पर सुरक्षित रह पाएंगे, यह गंभीर चिंता का विषय है। नारदजी पहले पत्रकार थे, भगवान गणेश की प्लास्टिक सर्जरी हुई है, मोरनी मोर के आंसू से गर्भवती होती है, पहला विमान भगवान विश्वकर्मा ने बनाया के बाद, अब हनुमान जी को पहला अंतरिक्ष यात्री बताया गया है। बीते शनिवार, अंतरिक्ष दिवस के मौके पर अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के पेखूबेला में पीएम श्री नवोदय विद्यालय के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने बच्चों से पूछा कि अंतरिक्ष जाने वाला पहला व्यक्ति कौन था। इसके जवाब में बच्चों ने कहा कि नील आर्मस्ट्रांगय जिसे सुनकर अनुराग ठाकुर ने कहा कि मुझे लगता है अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले व्यक्ति हनुमान जी थे। पता नहीं अनुराग ठाकुर को कौन सी पौराणिक, धार्मिक पुस्तकों से यह ज्ञान मिला है कि हनुमान जी ने सबसे पहले अंतरिक्ष की यात्रा की। क्योंकि धार्मिक कहानियों को ही विज्ञान का सच मानना है, तब भी हनुमान जी से पहले उनके पिता मारुत, सूर्य, इंद्र, वरुण आदि देवताओं को अंतरिक्ष यात्री कहा जा सकता है, बल्कि ये तो अंतरिक्ष निवासी ही हैं। अपने कथन से अनुराग ठाकुर ने ये तो बता दिया कि पौराणिक कथाओं और पात्रों के बारे में भी उनका ज्ञान पूरा नहीं है। हालांकि इससे देश को फर्क नहीं पड़ता कि किसी नेता को किसी धर्म का कितना ज्ञान है या नहीं। फर्क इससे पड़ता है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को संविधान का ज्ञान है या नहीं। इस मामले में अनुराग ठाकुर की अज्ञानता चिंतित करती है। क्योंकि उन्होंने न केवल बच्चों के सही जवाब को एक धार्मिक संदर्भ की कसौटी पर गलत करार दिया, बल्कि इसके बाद श्री ठाकुर ने विद्यालय के शिक्षकों से जो आग्रह किया, वो और खतरनाक और एक हद तक भविष्य के साथ अपराध भी है। अनुराग ठाकुर ने तर्क दिया कि ज्ञान परंपराओं का विस्तार अंग्रेजों द्वारा हमें दी गई पाठ्यपुस्तकों से आगे आना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से अनुरोध किया बच्चों को हमारे वेदों, हमारी पाठ्यपुस्तकों और हमारे ज्ञान की ओर भी ले जाने की कोशिश करें। इससे बच्चों को बहुत कुछ देखने का मौका मिलेगा। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 51–ए(एच) प्रत्येक नागरिक का मूल कर्तव्य बताता है कि वह श्वैज्ञानिक स्वभाव, मानवतावाद और जांच और सुधार की भावनाश विकसित करे। इसका अर्थ है कि तर्कों, तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर सोचें, अंधविश्वासों से बचें, मानवतावादी मूल्यों को अपनाएं, और नई जानकारी के आधार पर अपने विश्वासों को संशोधित करने के लिए खुले रहें। अनुराग ठाकुर ने ठीक इसके उलट बात की। सांसद महोदय ने ये बातें सरकारी विद्यालय में कहीं, जहां अमूमन उन गरीब और साधारण परिवारों के बच्चे आते हैं, जो महंगी शिक्षा का बोझ नहीं उठा सकते। सरकारी स्कूलों में अगर उन्हें अच्छी शिक्षा मिले तो आगे जाकर इन बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। लेकिन भाजपा सांसद उन्हें वेद–पुराणों की शिक्षा देने पर जोर दे रहे हैं, ताकि भाजपा को हिंदुत्व के एजेंडे को लागू करने में आसानी हो। डीएमके सांसद कनिमोझी ने इस घटना पर लिखा है कि विज्ञान कोई पौराणिक कथा नहीं है। कक्षाओं में युवाओं को गुमराह करना ज्ञान, तर्क और हमारे संविधान में निहित वैज्ञानिक सोच की भावना का अपमान है। कनिमोझी के अलावा अन्य विपक्षी सांसदों को भी इस बयान का विरोध करना चाहिए। हैरानी की बात ये है कि अनुराग ठाकुर ने इसी कार्यक्रम में अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की हालिया उपलब्धियों का जिक्र किया। और इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया। दूसरी ओर नरेन्द्र मोदी ने भी अंतरिक्ष दिवस पर कहा है कि अंतरिक्ष क्षेत्र में नए–नए मील के पत्थर लगाना भारत और भारत के वैज्ञानिकों का स्वभाव बन गया है। लेकिन श्री मोदी ये भूल रहे हैं कि उनके शासनकाल में पैदा हुए बच्चे वैज्ञानिक अभी नहीं बने हैं, जिस काम का श्रेय प्रधानमंत्री ले रहे हैं, वो दरअसल पूर्ववर्ती सरकारों के वक्त शिक्षित लोगों का कमाल है। पं.नेहरू जैसे दूरदर्शी नेता का कमाल है जिनकी वैज्ञानिक सोच ने देश को उत्कृष्ट संस्थान दिए। यह संयोग ही है कि अंतरिक्ष यात्रा पर की गई बेतुकी बात उस समय हुई है जब दूसरे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला भारत लौटे हैं और अभी उनके स्वागत का सिलसिला चल ही रहा है। श्री शुक्ला को भी अनुराग ठाकुर के इस बयान की भर्त्सना करनी चाहिए। क्योंकि देश ने उन्हें अंतरिक्ष में भेजने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए हैं, तो उनकी भी जिम्मेदारी बनती है कि वे बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करें। केवल सत्ता का गुणगान करने से उनकी जिम्मेदारी पूरी नहीं होगी। प्रधानमंत्री से मुलाकात में शुभांशु शुक्ला ने अपने बचपन को याद करते हुए कहा था कि 1984 में जब राकेश शर्मा अंतरिक्ष यात्रा पर गए थे, तो किसी राष्ट्रीय कार्यक्रम के अभाव के कारण उनके मन में अंतरिक्ष यात्री बनने का विचार नहीं आया था।

लेकिन अब उन्हें खुशी है कि बच्चे उनसे पूछते हैं कि अंतरिक्ष यात्री कैसे बन सकता हूं? अपने इस बयान से श्री शुक्ला मोदी सरकार को खुश कर सकते हैं, लेकिन सच यही है कि उनकी ये उपलब्धि केवल मोदी सरकार की देन नहीं है। अंतरिक्ष कार्यक्रम सतत चलने वाली प्रक्रिया है और इसे किसी भी राजनीति से बचाकर ही रखना चाहिए।

चीन की मोनोपोली को मोदी की खुली चुनौती, रेयर अर्थ मामले में भारत जल्द बनेगा आत्मनिर्भर

नीरज कुमार दुबे

आज की दुनिया में रेयर अर्थ मैग्नेट्स और क्रिटिकल मिनरल्स (जैसे लिथियम, कोबाल्ट, निकल) बिना इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर सरकार ने National Critical Mineral Mission की शुरुआत कर भारत में क्रिटिकल मिनरल्स की जरूरत को पूरा करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कि भारत को तंतम मंतजी `नचचसल बींपदे के लिए आत्मनिर्भर बनाया जाए और विदेशी दबाव कम हो। यह कदम सीधा चीन की rare earth monopoly को चुनौती देता

और बैटरी इंडस्ट्री की कल्पना भी नहीं की जा सकती। अब तक इन संसाधनों पर चीन का जबर्दस्त वर्चस्व रहा है। मोदी इस मिशन के तहत भारत के विभिन्न हिस्सों में खोज अभियान चलाकर घरेलू खनिज क्षमता बढ़ाई जा रही है। लक्ष्य यह है है, क्योंकि अब भारत खुद अपनी सप्लाई लाइन तैयार करेगा। हम आपको बता दें कि मोदी के नेतृत्व में Make in India केवल नारा नहीं, बल्कि वैश्विक उद्योग रणनीति बन चुकी है। डंतनजप ैन्रनाप की म–टपजंतं का शुभारंभ भारत को वैश्विक ईवी एक्सपोर्ट हब बनाने की दिशा में मील का पत्थर है। अब भारत से बनी ईवी 100 देशों में, जापान और यूरोप जैसे बाज़ारों तक निर्यात होंगी। हम आपको बता दें कि गुजरात के हंसलपुर में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड और लिथियम–आयन प्लांट का शुभारंभ हुआ है, जिससे बैटरी इकोसिस्टम घरेलू स्तर पर मजबूत होगा। साथ ही, भारत में अगले 5द्6 वर्षों में ₹70,000 करोड़ का निवेश आ रहा है, जो सीधे ईवी और बैटरी सेक्टर को टार्गेट करता है। इसके अलावा, सेमीकंडक्टर फैब्स और बैटरी मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी यह पूरी चेन भारत को चीन के विकल्प के रूप में स्थापित कर रही है। हम आपको बता दें कि अब तक इलेक्ट्रिक वाहनों की सप्लाई चेन में चीन का लगभग 80: नियंत्रण थाकृ खासकर रेयर अर्थ माइनिंग, प्रोसेसिंग और बैटरी निर्माण में। मोदी सरकार का छंजपवदंस ब्तपजपबंस डपदमतंस डपेपवद इस निर्भरता को तोड़ने का बड़ा कदम है। ईवी और बैटरी प्लांट्स का लोकलाइज़ेशन, सेमीकंडक्टर उत्पादन और क्रिटिकल मिनरल्स की खोज भारत को स्ट्रैटेजिक स्वतंत्रता देगा। इससे अमेरिका, जापान और यूरोप जैसे देशों को भी भारत एक विश्वसनीय सप्लायर दिखाई देगा। Maruti Suzuki की e-Vitara का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहाकृ "डांम पद प्दकपं, डांम वित जीम ॅवतसक।" प्रधानमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर सेक्टर में भारत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और भारत सरकार को यह भी पता है कि ऑटो उद्योग के लिए रेयर अर्थ मैंगनीज़ की कमी है। इस दिशा में उद्योग की क्षमता बढ़ाने के लिए हमने राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन की भी शुरुआत की है। इसके तहत देश के अलग–अलग हिस्सों में और अधिक खोज अभियानों को अंजाम दिया जाएगा और महत्वपूर्ण खनिजों की खोज की जाएगी। हम आपको बता दें कि पिछले 10 वर्षों में भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 500: बढ़ा है साथ ही मोबाइल फोन में 2700: और रक्षा उत्पादन में 200: की वृद्धि हुई है। देखा जाये तो भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, युवा डेमोग्राफी और स्किल्ड वर्कफोर्स निवेशकों के लिए ॅपद–ॅपद ैपजनंजपवद बना रही है। आने वाले वर्षों में भारत ईवी, बैटरी और सेमीकंडक्टर का ग्लोबल हब बनने की ओर बढ़ रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि मोदी का यह अभियान केवल औद्योगिक नीति नहीं, बल्कि एक भू–राजनीतिक रणनीति भी है। रेयर अर्थ और ईवी सेक्टर में आत्मनिर्भरता हासिल करके भारत न सिर्फ चीन की मोनोपोली को तोड़ेगा, बल्कि आने वाले दशक में नई टेक्नॉलॉजी का वैश्विक केंद्र भी बनेगा।

धर्मनिरपेक्षता भारत की स्वस्थ परंपरा एवं आंतरिक मजबूती

संजीव ठाकुर

नधर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण एवं शाश्वत सिद्धांत हैस धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व है, जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित हैस धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव है,इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है। इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग–अलग हैस भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना हैस पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है। यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता मैं पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ–साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए हैं, धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता है, भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है ।इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता हैस प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई है, भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान है, भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है। सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करेंस भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती हैस धर्मनिरपेक्षता के अंतर्गत तर्क और विवेक की प्रधानता होती है, सभी व्यक्ति को सब कुछ कहने और विचार करने की स्वतंत्रता होने के साथ–साथ वैज्ञानिक आविष्कारों को भी पूर्ण अधिकार के साथ प्रोत्साहित भी किया जाता हैस भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता से विविधता में एकता को बल मिलता हैस हालांकि कुछ राजनीतिक दलों ने समय–समय पर भारतीय धर्मनिरपेक्षता को सत्ता प्राप्त करने हेतु कमजोर करने की कोशिश की है, यह हमारी जिम्मेदारी तो है ही साथ ही आम जनता, राजनीतिक दलों,मीडिया एवं सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की महती जिम्मेदारी है कि भारतीय संविधान के अनुरूप धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिक, सामाजिक जीवन में पालन करें, जिससे हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होकर विश्व के लिए एक आदर्श प्रतिमान प्रस्तुत करें, आजादी के पूर्व तथा आजादी के पश्चात महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री आदि नेताओं का धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास था, स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन से पहले ही सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन ने धर्मनिरपेक्षता का मार्ग प्रशस्त कर दिया था,और स्वतंत्रता के बाद भारत में धर्मनिरपेक्षता की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अपनाई गई है, जिसके अंतर्गत व्यक्ति को समानता स्वतंत्रता व न्याय जैसे मानव अधिकार प्राप्त हैं, और इन अधिकारों में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता को माना गया है, इसके अभाव में राज्य में समानता व धर्म निरपेक्षता की स्थापना नहीं की जा सकती है, भारत की सबसे बड़ी विशेषता विविधता में एकता ही रही है, विविधता में एकता का मूल मंत्र ही धर्मनिरपेक्षता का है, भारत में अल्पसंख्यक भी इसी देश के निवासी हैं और इनको विश्वास दिलाने तथा इनकी रक्षा करने का मार्ग प्रशस्त धर्मनिरपेक्षता के अस्त्र के रूप में किया गया हैस भारत देश निरंतर विकास के सोपान की तरफ अग्रसर है और एक वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में प्रशस्त भी है ।इन परिस्थितियों में विश्व के समक्ष धर्मनिरपेक्ष था की एकता का आदर्श स्थापित करने की परम आवश्यकता है, भारतीय संविधान की प्रस्तावना के 42 वें संशोधन 1976 के अंतर्गत पंथनिरपेक्ष शब्द जोड़ा गया है, जिसका मतलब राज्य सभी मतों को समान रूप से रक्षा करेगा एवं स्वयं भी किसी मत को राज्य के धर्म के रूप में नहीं अपनाएगास भारत का संविधान हमें विश्वास दिलाता है कि उसके साथ धर्म के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगास भारत का संविधान पूर्ण रूप से भारतीय जनमानस की व्यक्तिगत, जातिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए ही निर्मित किया गया हैस न्यायपालिका तथा कार्यपालिका इस हेतु संपूर्ण रुप से प्रतिबद्ध भी हैं, किंतु भारतीय संदर्भ में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि राजनीतिक दलों पर लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ पर राजनीति के लिए मुद्दों को चुनावी हथियार बनाते हैं जिसका शिकार आम जनता को होना पड़ता है । इसके कारण समाज का माहौल बिगड़ जाता हैस यह संपूर्ण रूप से एक चिंता का विषय है ।भारत में स्वतंत्रता के बाद से लोकतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत बड़े ही मजबूत रहे हैं और इसकी स्वस्थ परंपरा भी भारत देश में रही है। इसे हमेशा मजबूत एवं शाश्वत बनाने की आवश्यकता वर्तमान में प्रतीत होती है।

लेह की खूबसूरत वादियों में यामी गौतम का दिखा ग्लैमरस लुक, थिकसे मठ में भिक्षु के साथ दिए पोज

यामी गौतम ने इंस्टाग्राम पर थिकसे मठ की यात्रा की कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें से एक तस्वीर में वह दोनों हाथ जोड़ भिक्षु (मोनक) के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। जबकि एक फोटो में घुटनों के बल नतमस्तक होती दिख रही है। वहीं, अन्य तस्वीरों यामी का लेह की खूबसूरत वादियों में ग्लैमरस लुक देखने को मिल रहा है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम ने हाल ही में लेह स्थित ऐतिहासिक थिकसे मठ का दौरा किया, जिसकी आध्यात्मिक शांति और सुंदरता ने उन्हें भावुक कर दिया। उन्होंने इस दौरे की खूबसूरत तस्वीरों के साथ अपने अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया और बताया कि इस मठ में गूंजती प्रार्थनाओं और मंत्रोच्चारण की आवाजें उनके दिल में हमेशा के लिए बसी रहेंगी। यामी गौतम ने इंस्टाग्राम पर थिकसे मठ की यात्रा की कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें से एक तस्वीर में वह दोनों हाथ जोड़ भिक्षु (मोनक) के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। जबकि एक फोटो में घुटनों के बल नतमस्तक होती दिख रही है। वहीं, अन्य तस्वीरों यामी का लेह की खूबसूरत वादियों में ग्लैमरस लुक देखने को मिल रहा है। वह येलो टॉप और पैंट के साथ ब्लैक कोट पहने लेह की खूबसूरती का आनंद ले रही हैं। इन तस्वीरों पर शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा– खूबसूरत और सबसे पुराने मठों में से एक–थिकसे मठ का दौरा किया! मंत्रोच्चार और प्रार्थनाएं सुनने का अनुभव हमेशा मेरे दिल में गूंजता रहेगा। थिकसे मठ मध्य लद्दाख का सबसे बड़ा मठ है और इसे तिब्बत के ल्हासा स्थित पोटाला पैलेस जैसा दिखने वाला माना जाता है। यह 12 मंजिला विशाल परिसर है, जिसमें बुद्ध धर्म से जुड़ी कई अनमोल कलाकृतियाँ संग्रहित हैं, जैसे स्तूप, मूर्तियाँ, थंका चित्रकला, भित्ति चित्र और प्राचीन तलवारें। यामी के करियर की बात करें तो एक्ट्रेस ने टेलीविजन पर ये प्यार ना होगा कम में मुख्य भूमिका के साथ अभिनय की शुरुआत की थी और फिर फिल्म विकी डोनर से बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद यामी काबिल, बाला, ए थर्सडे और उरी द सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कई में नजर आ चुकी हैं।

गणेश उत्सव के दौरान कुछ यूं सजती है शिल्पा शेट्टी, इस बार आप भी ये आउटफिट करें ट्राई

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के घर इस बार गणेश उत्सव की धूम नहीं दिखाई देगी। परिवार में किसी सदस्य की मौत होने के चलते उन्होंने गणेश उत्सव नहीं मनाने का ऐलान किया है। अगर पुराने उत्सव पर नजर डालें तो शिल्पा हर बार बेहद खूबसूरत और ट्रेडिशनल लुक में नजर आती हैं। उनके गणपति उत्सव के आउटफिट्स फैशन और कल्चर का बेहतरीन मेल होते हैं। आइए जानते हैं शिल्पा शेट्टी के गणेश फेस्टिव ट्रेडिशनल लुक्स जो हर किसी को इंस्पायर कर सकते हैं।

पारंपरिक साड़ी स्टाइल

शिल्पा कई बार कांजीवरम, सिल्क और कॉटन साड़ी में नजर आ चुकी हैं। खासकर लाल, पीला और हरा जैसे रंग उनके फेस्टिव लुक को और भी आकर्षक बनाते हैं। वह साड़ी को मॉडर्न ड्रेप स्टाइल में पहनकर उसे ग्लैमरस टच देती हैं।

नौवारी (महाराष्ट्रीयन) साड़ी

गणेश चतुर्थी पर शिल्पा शेट्टी ने कई बार नौवारी साड़ी पहनी है। इसके साथ नथ, गजरा और ग्रीन चूड़ियां उनके पूरे लुक को परफेक्ट महाराष्ट्रीयन टच देती हैं।

फ्यूजन ट्रेडिशनल लुक

शिल्पा इंडो–वेस्टर्न स्टाइल भी बेहद अच्छे से कैरी करती हैं, जैसे धोती पैंट्स के साथ कुर्ता या दुपट्टा। यह लुक उन महिलाओं के लिए परफेक्ट है जो कम्फर्ट के साथ फैशन चाहती हैं।

ज्वेलरी का खास अंदाज

शिल्पा हमेशा अपने ट्रेडिशनल लुक को स्टेटमेंट ज्वेलरी से पूरा करती हैं। मोती, मंदिर ज्वेलरी, कड़े और मांगटीका उनके फेस्टिव लुक को और भी रॉयल बनाते हैं।

अनुराग कश्यप ने खोला फिल्म निशानची के टाइटल का राज!

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया की साल की सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्म निशानची, अपने शानदार थिएट्रिकल रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म को कई ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले मशहूर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने डायरेक्ट किया है। ऐसे में अब अनुराग कश्यप निशानची के साथ एक और दमदार क्राइम ड्रामा लेकर आ रहे हैं, जो दर्शकों को बांधे रखने का वादा करता है। फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो की नई जोड़ी नजर आने वाली है। बता दें कि रिलीज से पहले सामने आए निशानची के टीजर और गानों ने इसे देखने के लिए दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। फिल्म के टीजर में दमदार एक्शन, थ्रिल और रोमांस की झलक साफ दिखाई देती है। कहना गलत नहीं होगा कि अपने टाइटल की तरह ही फिल्म दमदार लग रही है। यही कारण है कि फिल्म पहले से ही सोशल मीडिया और दर्शकों के बीच सुर्खियों बटोर रही है। फिल्म के टाइटल को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है। लेकिन, अनुराग कश्यप ने खुलासा किया है कि फिल्म का असल टाइटल पहले कुछ और रखा गया था, जिसे बाद में उसे बदलकर निशानची रखा गया। दरअसल, अनुराग ने बताया कि, "शुरू में फिल्म का टाइटल बबलू निशानची, रंगीली रिंकू और डबलू रखा गया था, जिसपर सबने कहा कि ये टाइटल बहुत बड़ा है। कैसे आखिरकार इसका टाइटल निशानची बना और फिल्म का नाम फाइनल हुआ, यही इसकी कहानी है।"फिल्म में ऐश्वर्य के दोनों किरदार बबलू और डबलू जुड़वां भाई हैं, जबकि रिंकू यानी वेदिका पिंटो का किरदार है। फिल्म में बबलू गहराई से रिंकू से प्यार करता है, लेकिन एंट्री होती है डबलू की और उससे हालात बदल जाते हैं। इस तरह से कहानी में टकराव के साथ ड्रामा शुरू हो जाता है। निर्देशक अनुराग कश्यप ने हाल ही में ये भी बताया है कि निशानची पर काम करते हुए उन्हें ऐसा लगा जैसे वो अपनी असली कहानी कहने की जड़ों में लौट आए हों, और अपनी फिल्ममेकिंग के उस रॉ अंदाज को फिर से जिया हो।यह फिल्म ऐश्वर्य ठाकरे की एक्टिंग की शुरुआत है, जो एक दमदार डबल रोल में दिखेंगे। उनके साथ फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी अहम किरदारों में हैं। फिल्म शनिशानचीश के प्रोड्यूसर अजय राय और रंजन सिंह हैं, जो जार पिक्चर्स और फ्लिप फिल्म्स के बैनर तले बनी है। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है, जबकि इसकी कहानी प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने लिखी है। तो तैयार हो जाए 19 सितंबर को सिनेमाघरों में बंदूकें, धोखा और भाईचारा देखने के लिए।

सैयारा से बेटर पिक्चर कर रहा है यश... बेटे के डेब्यू पर सुनीता आहूजा का जवाब

हीरो नंबर 1 गोविंदा के बेटे यशवर्धन जल्द ही बॉलीवुड एंट्री करने वाले हैं। फिल्म पर काम चल रहा है। वहीं अब गोविंदा की मुंहफट पत्नी सुनीता आहूजा ने बेटे को डेब्यू पर कुछ ऐसा कहा जो चर्चा में आ गया। उन्होंने श्सैयाराश फिल्म और राशा थठानी के डेब्यू को लेकर रिव्यू दिया। सुनीता ने कहा कि उनका बेटा सैयारा से बेटर फिल्म कर रहा है। एक ट्रैवल रीपिट के दौरान सुनीता को उनके बेटे यश के लिए एक कमेंट पढ़कर सुनाया गया। ये कमेंट था–यशवर्धन इतना हैंडसम है। सैयारा में उसे ही होना चाहिए था। इस कमेंट पर जवाब देते हुए सुनीता ने कहा–काश ऐसा होता लेकिन वो उससे भी बेटर पिक्चर कर रहा है अभी। सुनीता ने कहा कि उन्होंने अभी तक अहान पांडे की सैयारा नहीं देखी है लेकिन,यश ने दो बार देखी है। मुझे देखना है पर अभी शायद 14 तारीख को आ रही है नेटफ्लिक्स पर। अच्छा है। सभी बच्चों को मेरी तरफ से गुड विशेज। मैं चाहती हूं कि सब बच्चे खूब कमाए। जब सुनीता से रवीना की बेटी राशा के साथ बॉन्ड के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा–यश के साथ अच्छा बॉन्ड है उसका। मैं अभी तक उससे मिली नहीं हूं। रवीना ने मुझे फोन किया था। ट्रायल में आने के लिए उस वक्त में जयपुर में खाटू श्याम मंदिर गई थी। मैंने थिएटर में फिल्म देखी। वो बहुत स्वीट गर्ल है। रवीना का बचपन याद आता है।

जाह्नवी कपूर की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के मोशन पोस्टर पर शिखर पहाड़िया ने किया ऐसे रिएक्ट

जाह्नवी कपूर एक बार फिर वरुण धवन के साथ धमाल मचाने वाली हैं। दोनों फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में स्क्रीन शेयर करेंगी। अब फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। करण जौहर ने फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा था– मंडप सजेगा, महफिल जमेगी, पर सनी और तुलसी की एंट्री, सारी स्क्रिप्ट बदल देगी। शिखर ने मोशन पोस्टर देखने के बाद गर्लफ्रेंड जाह्नवी कपूर के लिए पोस्ट शेयर किया।उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा–टू गुड। इसके साथ ही जाह्नवी कपूर को टैग करते हुए ढेर सारी हार्ट इमोजी पोस्ट की। बता दें जाह्नवी कपूर जल्द ही फिल्म परम सुंदरी में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म 29 अगस्त को रिलीज होने जा रही है। फिल्म में जाह्नवी के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा लीड रोल में नजर आने वाले हैं।

शहनाज़ गिल के भाई शहबाज बदेशा ने बिग बॉस सीक्रेट रूम पर तोड़ी चुप्पी! वीडियो शेयर कर बताई सच्चाई

बिग बॉस 19 की शुरुआत काफी उत्साह के साथ हुई क्योंकि ग्रैंड प्रीमियर में 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को घर के अंदर प्रवेश कराया गया। शहबाज़ बदेशा के भी शो में आने की उम्मीद थी, लेकिन प्रीमियर से पहले वोटिंग राउंड में वह क्वालीफाई नहीं कर पाए। शबिग बॉस 19श के प्रीमियर के तीन दिन बाद अभिनेत्री शहनाज़ गिल के भाई शहबाज़ बदेशा ने सीक्रेट रूम में होने की अफवाहों का खंडन किया। यह अटकलें सोशल मीडिया पर एक तस्वीर के प्रसारित होने के बाद शुरू हुईं, जिसमें बदेशा किसी अज्ञात स्थान पर बैठे दिखाई दे रहे थे। अफवाहों पर विराम लगाते हुए, उन्होंने मंगलवार को अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए एक वीडियो जारी किया। वीडियो में, बदेशा ने कहा, ष्मैं किसी सीक्रेट रूम में नहीं हूँ। यह मेरा सीक्रेट रूम है। मैं यहाँ बैठा हूँ। जब भी मुझे अंदर जाने का मौका मिलेगा, मैं आपको गारंटी देता हूँ कि आपको मनोरंजन ज़रूर मिलेगा। जो लोग मुझे कमेंट में कोस रहे हैं, मैं उनसे प्यार करता हूँ। मुझे आपकी परवाह नहीं है। जब मैं अंदर जाऊँगा, जब भी भगवान मुझे ऐसा मौका देंगे, मैं आपको ज़रूर गौरवान्वित करूँगा। यह मेरी गारंटी है। मतदान चरण से आगे न बढ़ पाने के बावजूद, बदेशा ने अपने समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ष्जब मैं मंच पर आया तो आप सभी ने मुझे बहुत प्यार दिया। जिन लोगों ने मुझे वोट दिया, मैं तहे दिल से आप सभी का शुक्रिया अदा करता हूँ। क्योंकि आपका एक–एक वोट मेरे लिए एक लाख के बराबर था। सबसे बड़ी बात यह है कि मैंने सलमान सर के साथ मंच साझा किया। मेरे लिए ज़िंदगी में इससे बड़ी कोई बात नहीं है। शबिग बॉस 19श की शुरुआत एक लोकतांत्रिक मोड़ के साथ हुई। इसमें प्रशंसकों को घर में जगह बनाने के लिए बदेशा और मृदुल तिवारी के बीच वोट करने का मौका मिला।

नाश्ते में बनाकर तैयार करें रेस्टोरेंट स्टाइल फ्रेंच टोस्ट, यहां देखिए रेसिपी

अक्सर जब भी कुछ खाने–पीने का मन होता है, तो हम स्नैक्स खाते हैं। वहीं खाने के शौकीन हमेशा नए–नए व्यंजनों की तलाश में रहते हैं। हम हमेशा कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं। कई बार ब्रेकफास्ट बनाने के दौरान यह समझ नहीं आता है कि क्या बनाया जाए, जिसको खाकर पेट भी भर जाए और घर वाले भी आराम से खा सकें।

ऐसे में आप फ्रेंच टोस्ट बनाकर तैयार कर सकती हैं। बता दें कि इसको खाने से आप पूरा दिन एनर्जेटिक फील करेंगे। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको फ्रेंच टोस्ट की रेसिपी और इसे बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

फ्रेंच टोस्ट की रेसिपी सामग्री

अंडे– 2

चीनी– 1 बड़ा चम्मच

दूध– 1 कप

ब्रेड– 4

घी तलने के लिए– 2 कप

सही ब्रेड चुनें

वैसे तो मार्केट में कई तरह के ब्रेड मिलते हैं। जिनका अलग–अलग इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप फ्रेंच टोस्ट बनाना चाहते हैं, तो थोड़े बड़े और मोटे ब्रेड खरीदें। क्योंकि इसमें स्टफिंग आसानी से हो जाती है और टोस्ट भी सही तरीके से तैयार हो जाता है।

कस्टर्ड मिक्सचर बनाएं

इसके साथ ही टोस्ट के लिए कस्टर्ड का मिक्सचर तैयार करें। इससे टोस्ट स्वादिष्ट होने के साथ हेल्दी भी रहेगा। कस्टर्ड का मिक्सचर तैयार करने के लिए एक बाउल में सबसे पहले दूध, अंडा, नमक और वेनिला का अर्क डालें। फिर इसको अच्छे से मिक्स करें। आप इसका स्वाद बढ़ाने के लिए जायफल और दालचीनी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

अच्छे से करें सोख

फ्रेंच टोस्ट बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड स्लाइस को मिक्सचर में अच्छे से सोख करें। ब्रेड स्लाइस के दोनों तरफ समान रूप से सोख सकें। ब्रेड को इसमें ज्यादा न डुबोएं, वरना ब्रेड मुलायम हो जाएगा।

सही रखें टेंपरेचर

फ्रेंच टोस्ट बनाने के दौरान टेंपरेचर का ध्यान रखें। अगर आप ज्यादा तेज आंच पर टोस्ट पकाते हैं, तो यह जल सकता है। इसलिए नॉन–स्टिक कड़ाही या तवा को मीडियम आंच पर गर्म कर उसमें थोड़ा सा मक्खन डालें।

जब तवा हल्का गर्म हो जाए, तो इस पर ब्रेड को सेंक लें। अब मिश्रण में भीगे हुए फ्रेंच टोस्ट को तब तक पकाएं, जब तक यह दोनों तरफ से अच्छे से पक न जाए। फिर इसको एक प्लेट में निकालकर रखें।

अच्छे से करें गार्निश

जब फ्रेंच टोस्ट दोनों तरफ से अच्छे से पक जाए, तो इसको अच्छे से गार्निश कर लें। अब इसको सर्व करें और इस पर थोड़ा सा मेपल सिरप, कुछ पाउडर चीनी, ताजे फल, या अपनी पसंद की कोई अन्य सामग्री छिड़कें।

ग्लोइंग त्वचा के लिए घर पर बनाएं ये 4 मुल्तानी मिट्टी का मास्क, जानें इसके फायदे

त्वचा के लिए असंख्य लाभों के कारण त्वचा की देखभाल में मिट्टी के मास्क का उपयोग सदियों से किया जाता रहा है। मुल्तानी मिट्टी मास्क एक लोकप्रिय त्वचा देखभाल उपचार है जो त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार के लिए खनिज युक्त मिट्टी के प्राकृतिक लाभों का उपयोग करता है। अक्सर मिट्टी के जमाव से प्राप्त, ये मास्क मैग्नीशियम, कैल्शियम और पोटेशियम जैसे खनिजों से भरे होते हैं, जो त्वचा पर विभिन्न चिकित्सीय प्रभाव प्रदान कर सकते हैं।

मुल्तानी मिट्टी मास्क के लाभ

गहरी सफाई करता

मिट्टी के मास्क अपने अवशोषक गुणों के कारण त्वचा से अशुद्धियों और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यह गहरी सफाई प्रभाव बंद छिद्रों को साफ़ करने और मुँहासे को कम करने में मदद कर सकता है।

एक्सफोलिएट करता

कई मिट्टी की प्राकृतिक बनावट कोमल एक्सफोलिएशन प्रदान करती है, मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाती है और त्वचा को चिकना और चमकदार बनाती है।

त्वचा को टाइट रखता है

मड मास्क त्वचा को कसने और मजबूत बनाने, छिद्रों की उपस्थिति को कम करने और अधिक युवा लुक देने में मदद कर सकता है।

स्किन को डिटॉक्स करता

मिट्टी में मौजूद खनिज अतिरिक्त तेल और अशुद्धियों को बाहर निकालकर त्वचा को विषहरण करने में मदद कर सकते हैं, जिससे वे तैलीय और मुँहासे–प्रवण त्वचा के प्रकारों के लिए फायदेमंद बन जाते हैं।

सुखदायक और शांत

कई मिट्टी के मास्क में प्राकृतिक सूजन–रोधी गुण होते हैं जो चिढ़ या सूजन वाली त्वचा को शांत कर सकते हैं, जिससे वे संवेदनशील त्वचा के प्रकारों के लिए भी उपयुक्त हो जाते हैं।

ये 4 मुल्तानी मास्क

साधारण क्ले मास्क

सामग्री

–2 बड़े चम्मच बेंटोनाइट क्ले या हरी मिट्टी

–2 बड़े चम्मच पानी या सेब का सिरका

बनाने का तरीका

– मिट्टी को पानी या सेब के सिरके के साथ तब तक मिलाएं जब तक आपको एक चिकना पेस्ट न मिल जाए।

– अपने चेहरे पर लगाएं और लगभग 10–15 मिनट तक लगा रहने दें।

– गर्म पानी से धो लें और अपने चेहरे को थपथपाकर सुखा लें।

क्ले और शहद का मास्क

सामग्री

– 2 बड़े चम्मच क्ले

– 1 बड़ा चम्मच शहद

बनाने का तरीका

– क्ले को शहद का साथ मिक्स कर लें।

– अपने चेहरे पर लगाएं और 10–15 मिनट के लिए छोड़ दें।

– गर्म पानी से धो लें और फिर मॉइस्चराइजर लगा लें।

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा मास्क

सामग्री

–2 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी

–1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल

बनाने का तरीका

– मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा जेल को मिलाकर एक चिकना पेस्ट बना लें।

– अपने चेहरे पर लगाएं और 10–15 मिनट तक लगा रहने दें।

– गुनगुने पानी से धो लें।

मुल्तानी मिट्टी और दही का मास्क

–2 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी

–1 चम्मच दही

बनाने का तरीका

– मुल्तानी मिट्टी को दही के साथ तब तक मिलाएं जब तक आपको एक मलाईदार स्थिरता न मिल जाए।

– अपने चेहरे पर लगाएं और 10–15 मिनट के लिए छोड़ दें।

– गर्म पानी से धो लें और थपथपा कर सुखा लें।

यह मास्क त्वचा की विभिन्न समस्याओं में मदद करते हैं, लेकिन किसी भी एलर्जी या संवेदनशीलता की जांच के लिए पहले पैच टेस्ट करना सुनिश्चित करें।

बालों पर नारियल तेल में मिलाकर लगाएं ये 2 चीजें, मुलायम और चमकदार बनेंगे बाल

नेचुरल तरीकों से बालों की देखभाल करना आजकल काफी लोकप्रिय हो गया है। अगर आप भी अपने बालों को मुलायम और चमकदार बनाना चाहती हैं, तो नारियल तेल, एलोवेरा और पेट्रोलियम जेली का हेयर मास्क आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे इन साधारण सामग्री को मिलाकर एक प्रभावी हेयर मास्क तैयार किया जा सकता है।

बालों को मुलायम और चमकदार बनाने के लिए आवश्यक सामग्री

इस हेयर मास्क को बनाने के लिए आपको इन सामग्री की आवश्यकता होगी

नारियल का तेल – 1 बड़ा चम्मच

एलोवेरा जेल – 1 बड़ा चम्मच

पेट्रोलियम जेली – 1 चम्मच

हेयर मास्क बनाने की विधि

सामग्री को मिलाना

सभी सामग्री को एक छोटे बाउल में डालें। ध्यान दें कि सामग्री की मात्रा सही हो ताकि मास्क की स्थिरता ठीक रहे।

पेस्ट तैयार करना

इन सभी सामग्रियों को अच्छी तरह से मिलाएं जब तक कि एक चिकना पेस्ट न बन जाए। यह पेस्ट बालों पर लगाने के लिए तैयार है।

बालों में लगाना

अपने बालों को हल्का गिला करें और इस पेस्ट को बालों में समान रूप से लगाएं। स्कैल्प से शुरू करते हुए बालों की स्मदहजी तक पेस्ट को लगाएं।

मसाज करना

मास्क को बालों में लगाने के बाद, कुछ मिनटों के लिए अपने स्कैल्प की मसाज करें। इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा और मास्क के तत्वों को बेहतर तरीके से अवशोषित किया जा सकेगा।

मास्क को रखना

मास्क को 30 मिनट से एक घंटे तक बालों में लगा रहने दें। यह सुनिश्चित करता है कि सभी पोषक तत्व बालों में समा जाएं।

धोना

समय पूरा होने के बाद, नियमित शैंपू का उपयोग करके बालों को गुनगुने पानी से अच्छे से धो लें। इससे आपके बाल न केवल साफ होंगे, बल्कि मुलायम और चमकदार भी बनेंगे।

घरेलू उपाय के फायदे

इस घरेलू हेयर मास्क का उपयोग नियमित रूप से करने से बालों की चमक और मुलायमता में सुधार देखा जा सकता है। नारियल का तेल और एलोवेरा बालों को पोषण प्रदान करते हैं, जबकि पेट्रोलियम जेली बालों को नरम बनाती है। इन सामग्रियों का संयोजन आपके बालों को एक नई चमक और सॉफ्टनेस दे सकता है। इस तरह के घरेलू उपाय महंगे सैलून ट्रीटमेंट्स का एक प्रभावी और किफायती विकल्प हो सकते हैं। बालों की प्राकृतिक देखभाल को अपनाकर आप अपने बालों को स्वस्थ और सुंदर बना सकती हैं।

सिर्फ अनानास में पाया जाता है ब्रोमेलैन, रोजाना खाने से दूर रहती हैं कई बीमारियां

फलों में एंटीऑक्सीडेंट गुण और पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसी वजह से हेल्थ एक्सपर्ट सभी लोगों को रोजाना कम से कम दो मौसमी फलों के सेवन की सलाह देते हैं। आपको बता दें कि अनानास स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। अनानास में विटामिन–सी और मैग्नीज के अलावा मैग्नीशियम, पोटेशियम और फोलेट भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। अनानास एकमात्र ऐसा फल है, जिसमें ब्रोमेलैन पाया जाता है। यह प्रोटीन को पचाने वाले एंजाइमों का संयोजन है। बता दें कि ब्रोमेलैन शरीर में भोजन को पचाने और अवशोषित करने के प्रोसेस को आसान बनाता है। इन्हीं पोषक तत्वों के कारण अनानास को काफी पसंद भी किया जाता है। अनानास का सेवन गठिया और पाचन संबंधी समस्याओं में विशेष लाभप्रद हो सकता है।

पोषक तत्व से भरपूर होता है अनानास

अनानास पोषक तत्व और लाभकारी यौगिक से भरपूर होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि इस फल को खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने के साथ कैंसर का जोखिम कम होता है। साथ ही यह फल सर्जरी के बाद रिकवरी में सुधार लाने में मदद करता है। अनानास विटामिन सी और मैंगनीज से भरपूर होता है। विटामिन–सी प्रतिरक्षा स्वास्थ्य, आयरन अवशोषण को बढ़ाने के साथ संक्रमण से सुरक्षा के लिए जरूरी होता है। वहीं मैंगनीज एंटी ऑक्सीडेंट्स गुण प्रदान करता है। जिससे शारीरिक विकास और मेटाबॉलिज्म ठीक रहता है।

पाचन की समस्या में फायदेमंद

पाचन स्वास्थ्य के लिए भी अनानास काफी फायदेमंद होता है। ब्रोमेलैन एंजाइन की वजह से पाचन संबंधी कई समस्याओं में लाभ मिलता है। ब्रोमेलैन प्रोटीन अणुओं को तोड़ता है, जिससे हमारे शरीर की छोटी आंत उसे ज्यादा आसानी से अवशोषित कर पाती है। एक अध्ययन के मुताबिक ब्रोमेलैन पाचन ऊतकों में सूजन के मार्कर को भी कम करने में सहायक होता है। ऐसे में पाचन की समस्या से परेशान लोगों को अनानास का सेवन करना चाहिए।

गठिया में भी मिलता है आराम

अनानास के सेवन को गठिया के लक्षणों को कम करने में भी फायदेमंद माना जाता है। गठिया की समस्या होने पर जोड़ों में सूजन–अकड़न होती है, जिसके कारण उठना–चलना भी मुश्किल हो जाता है। अनानास में ब्रोमेलैन के एंटी–इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं, जो गठिया की सूजन और दर्द से राहत देने का काम करता है। एक अध्ययन में पाया गया है कि ब्रोमेलैन की खुराक ऑस्टियोआर्थराइटिस के लक्षणों को कम करता है। ब्रोमेलैन युक्त पाचन एंजाइम सप्लीमेंट से ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित लोगों में दर्द को सामान्य करने में उसी तरह से फायदा मिलता है, जैसे गठिया की दवाओं से मिलता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता में होगा सुधार

बता दें कि सदियों से पारंपरिक चिकित्सा में भी अनानास का इस्तेमाल किया जाता रहा है। अनानास में कई तरह के खनिज, विटामिन और एंजाइम पाए जाते हैं, जो प्रतिरक्षा में सुधार करने के साथ सूजन को कम करने में सहायक होते हैं।

एक शोध के मुताबिक अनानास का सेवन करने वालों में वायरल और बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा कम था। जिन बच्चों ने इस फल को खाया, उनमें रोग से लड़ने वाली श्वेत रक्त कोशिकाओं की मात्रा ज्यादा पाई गई। आप इम्यूनिटी में सुधार के लिए इसको अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

संक्षिप्त

डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे टूटकर 87.69 पर बंद हुआ

अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लागू करने की योजना पर मसौदा नोटिस जारी करने के बाद कमजोर घरेलू बाजारों के चलते मंगलवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे टूटकर 87.69 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि 27 अगस्त से प्रभावी होने वाले भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त अमेरिकी शुल्क को लेकर चिंताओं के कारण रुपये की गति धीमी पड़ गई, जिसके बाद आयातकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग बढ़ी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.74 पर खुला, और फिर दिन में कारोबार के दौरान इसने 87.63 के ऊपरी और 87.80 के निचले स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में रुपया 87.69 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट है। सोमवार को रुपया डॉलर के मुकाबले चार पैसे की गिरावट के साथ 87.56 पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक (मुद्रा और कमोडिटी) अनुज चौधरी ने कहा, ''अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क (25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क सहित) 27 अगस्त से लागू होंगे और अगर शांति वार्ता में कोई प्रगति नहीं होती है तो रूस और उसके व्यापारिक साझेदारों पर और अधिक शुल्क लगाए जाएंगे, जिससे कमजोर घरेलू बाजारों के कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया टूट गया।'' अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लागू करने की योजना का विवरण देते हुए एक मसौदा नोटिस जारी किया है। अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क 27 अगस्त से लागू होगा, जिससे झींगा मछली, परिधान, चमड़ा और रत्न एवं आभूषण जैसे कई श्रम–प्रधान निर्यात क्षेत्रों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। उच्च अतिरिक्त आयात शुल्क से अमेरिका को होने वाले 86 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात के आधे से ज्यादा हिस्से पर असर पड़ेगा, जबकि दवाइयों, इलेक्ट्रॉनिक्स और पेट्रोलियम उत्पादों सहित शेष वस्तुओं को इस शुल्क से छूट मिलती रहेगी। हालांकि, पिछले चार सत्रों में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बाद आई नरमी ने रुपये की गिरावट को कुछ कम किया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 1.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इस बीच, मंगलवार तड़के ट्रम्प द्वारा अमेरिकी फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक को बर्खास्त करने के बाद अमेरिकी डॉलर में गिरावट दर्ज की गई। विश्व की छह प्रमुख प्रतिस्पर्धी मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत गिरकर 98.37 रह गया। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक, 849.37 अंक की गिरावट के साथ 80,786.54 अंक पर और निफ्टी 255.70 अंक की गिरावट के साथ 24,712.05 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने मंगलवार को 6,516.49 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

टीसीएस ने अमित कपूर के नेतृत्व में नई एआई, सेवा रूपांतरण इकाई का गठन किया

भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने एक नई एआई और सेवा रूपांतरण इकाई का गठन किया है। इसका नेतृत्व अमित कपूर मुख्य एआई और सेवा रूपांतरण अधिकारी के रूप में करेंगे। कपूर इस समय ब्रिटेन और आयरलैंड में टीसीएस के व्यवसाय का नेतृत्व करते हैं। उनकी यह जिम्मेदारी अब विनय सिंघवी को सौंपी जाएगी। एक आंतरिक ज्ञापन में टीसीएस के सीईओ के कृतिवासन ने विनय सिंघवी को ब्रिटेन और आयरलैंड बाजार का प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की। पीटीआई–ने इस आंतरिक ज्ञापन को देखा है। इसमें कृतिवासन ने लिखा, ''विनय, अमित कपूर का स्थान लेंगे, जो वैश्विक स्तर पर टीसीएस के लिए मुख्य एआई और सेवा रूपांतरण अधिकारी के रूप में एक नई भूमिका निभा रहे हैं।'' नई एआई इकाई कृत्रिम मेधा में सभी मौजूदा टीम और क्षमताओं को एकीकृत करेगी। इस बारे में टिप्पणी के लिए टीसीएस को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला।

सेबी का बड़े आईपीओ के लिए नियमों में ढील देने का प्रस्ताव, अपंजीकृत सलाहकारों पर कार्रवाई तेज

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंगलवार को कहा कि वह बड़े आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को आसान बनाने और धोखाधड़ी के खिलाफ निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण सुधार कर रहा है। सेबी के पूर्णकालिक निदेशक कमलेश चंद्र वार्ष्णेय ने कहा कि नियामक ने एक परामर्श पत्र जारी किया है, जिसमें अत्यधिक बड़ी कंपनियों के लिए 25 प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारिता को हासिल करने की समयसीमा बढ़ाकर 10 वर्ष करने का प्रस्ताव है। इस समय कंपनियों को सूचीबद्ध होने के पांच वर्षों के भीतर इस आवश्यकता को पूरा करना होता है। उन्होंने कहा कि इस ढील से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज जैसे बड़े आईपीओ को लाना अधिक आसान हो जाएगा। वार्ष्णेय ने आगे कहा कि सेबी मर्चेंट बैंकर और एंकर निवेशकों को आईपीओ के लिए यथार्थवादी मूल्यांकन अपनाने की सलाह दे रहा है, ताकि सूचीबद्ध होने के बाद कीमतों में गिरावट से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि इस तरह की गिरावट से खुदरा निवेशकों का भरोसा कम हो सकता है। सेबी उन अपंजीकृत निवेश सलाहकारों और वित्तीय मामलों में प्रभाव डालने की क्षमता रखने वाले लोगों के खिलाफ भी अपनी कार्रवाई तेज कर रहा है, जो सोशल मीडिया के जरिये खुदरा निवेशकों को गुमराह करते हैं। वार्ष्णेय ने कहा कि नियामक ने विज्ञापन सत्यापन प्रक्रिया के लिए मेटा के साथ साझेदारी की है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल पंजीकृत इकाइयां ही बाजार से संबंधित सामग्री का प्रचार करें।

अश्विन ने आईपीएल से भी लिया संन्यास, CSK की टीम का हिस्सा थे; अन्य लीग खेलते रहेंगे

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल से संन्यास का एलान किया है। उन्होंने बुधवार को ट्वीट के जरिये इसकी घोषणा की। वह पिछले सीजन में पांच बार की चौंपियन चेन्नई सुपर किंग्स की टीम का हिस्सा थे। हालांकि, उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। अश्विन को सीएसके ने नीलामी में 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा था।

सीएसके और अश्विन के बीच सबकुछ ठीक नहीं?

पिछले कुछ समय से इस बात की हलचल थी, कि सीएसके की टीम उन्हें रिलीज कर सकती है। इस बात को लेकर अश्विन ने सीएसके फ्रेंचाइजी से स्पष्टिकरण भी मांगा था। इस बात से साफ था कि अश्विन और सीएसके के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। अब उन्होंने संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया है। ऐसा कहा जा रहा था कि अश्विन का सीएसके के साथ मोह भंग हो गया है। अश्विन ने इसी फ्रेंचाइजी से अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और इसी फ्रेंचाइजी में रहते आईपीएल करियर का अंत किया। चेन्नई के रहने वाले अश्विन 2009 से 2015 तक इसी टीम का हिस्सा थे। उन्होंने इस साल आईपीएल में नौ मैच खेलकर सात ही विकेट लिए। सीएसके के लिए आईपीएल 2025 का सीजन अच्छा नहीं रहा था। चेन्नई चार जीत और 10 हार के बाद 10वें स्थान पर रही थी। इसके अलावा अश्विन के डेवाल्ड ब्रेविस को लेकर बयान पर भी खूब बवाल हुआ था। इसके बाद अश्विन को अपने बयान को लेकर सफाई भी देनी पड़ी थी।

संन्यास लेकर फिर से सभी को चौंकाया

इसी तरह का कुछ उन्होंने पिछले साल दिसंबर में किया था, जब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीसरे टेस्ट के बाद अश्विन ने अचानक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। हालांकि, उन्होंने मौजूदा ट्वीट में अन्य लीग्स खेलते रहने की बात कही है। यानी वह तमिलनाडु प्रीमियर लीग समेत अन्य लीग में हिस्सा लेते दिखाई पड़ सकते हैं।

अश्विन ने अपने ट्वीट में क्या लिखा?

अश्विन ने ट्वीट में लिखा, श्आज एक खास दिन है और इसलिए एक खास शुरुआत भी। कहा जाता है कि हर अंत एक नई शुरुआत लेकर आता है। मेरा समय बतौर आईपीएल क्रिकेटर आज समाप्त हो रहा है, लेकिन दुनिया भर की अलग–अलग लीगों में खेल के नए अनुभवों का मेरा सफर आज से शुरू हो रहा है। मैं सभी फ्रेंचाइजियों का धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने मुझे बेहतरीन यादें और रिश्ते दिए। सबसे अहम तौर पर मैं आईपीएल और बीसीसीआई का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अब तक मुझे इतना कुछ दिया। आगे आने वाले समय का पूरा आनंद लेने और उसका सबसे अच्छा उपयोग करने के लिए उत्साहित हूं।

अश्विन का आईपीएल करियर

अश्विन आईपीएल में सीएसके के अलावा राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा रहे। वह पंजाब टीम की कमान भी संभाल चुके हैं। अश्विन ने आईपीएल में 220 मैचों में 187 विकेट लिए। उनका इकोनॉमी रेट 7.2 का रहा। 34 रन देकर चार विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इसके अलावा उन्होंने 118.16 के स्ट्राइक रेट से 833 रन भी बनाए। इनमें एक अर्धशतक शामिल है। इसी लीग के जरिये अश्विन दुनिया भर में छाए थे और भारतीय टीम में जगह बनाई थी।

अश्विन ने आईपीएल में 18 में से 16 सीजन में हिस्सा लिया। उन्होंने सीएसके के साथ 2010 और 2011 में खिताब जीता। 2010 में उन्होंने 13 विकेट और 2011 में 20 विकेट लिए थे। अश्विन 2010 में सीएसके के चौंपियंस लीग जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे थे। 2014 में अश्विन ने सीएसके के साथ दूसरी बार चौंपियंस लीग का खिताब जीता था। 2009 से 2015 तक सीएसके के साथ अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने 90 विकेट चटकाए। 2016 में सीएसके के बैन होने के बाद वह राइजिंग पुणे के लिए खेले थे। तब भी उनके कप्तान धोनी ही रहे थे। 2017 में वह चोट की वजह से नहीं खेले। 2018 की नीलामी में राजस्थान से लड़कर पंजाब ने उन्हें खरीदा और कप्तानी सौंपी। इस फ्रेंचाइजी के लिए दो सीजन में उन्होंने 25 विकेट भी चटकाए।

2020 के सत्र से पहले पंजाब ने उन्हें दिल्ली के साथ ट्रेड किया। वहां उन्होंने दो साल बिताए। 2022 के मेगा ऑक्शन में राजस्थान ने उन्हें पांच करोड़ रुपये में खरीदा। 2022 और 2023 में अश्विन ने आरआर के लिए क्रमशरू 12 और 14 विकेट चटकाए। 2024 में उनके फॉर्म में गिरावट आई और उन्होंने 8.49 की इकोनॉमी से केवल नौ विकेट लिए। आरआर ने तब उन्हें रिलीज किया और सीएसके ने उन्हें फिर से खरीदा था। अब यह दिग्गज फिरकी गेंदबाज इस लीग में खेलता दिखाई नहीं पड़ेगा।

'मेरा काम आसान करने के लिए धन्यवाद'

पुजारा के संन्यास पर कोहली की आई प्रतिक्रिया; लिखा पोस्ट

नई दिल्ली। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने चेतेश्वर पुजारा के लिए एक भावुक पोस्ट लिखा है। पुजारा ने हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूप से संन्यास लेने का फैसला किया था। कोहली और पुजारा लंबे समय तक एक साथ खेले और दोनों ने कई मौकों पर साझेदारी भी निभाई। 2018–19 के ऐतिहासिक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पुजारा टीम के काफी काम आए। भारत की जीत में दिया था अहम योगदान

पुजारा ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 2018–19 में सात पारियों में 521 रन बनाए थे जिसकी मदद से कोहली की अगुआई वाली भारतीय टीम 2–1 से सीरीज अपने नाम करने में सफल रही थी। पुजारा ने अपना आखिरी टेस्ट जून 2023 में इंग्लैंड में ही खेला था। उनका आखिरी टेस्ट या यूं कहें अंतरराष्ट्रीय मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केनिंग्टन ओवल में खेला गया विश्व टेस्ट चौंपियनशिप 2023 फाइनल था। पुजारा हाल फिलहाल में भारत के इंग्लैंड दौरे पर कमेंट्री करते दिखे थे।

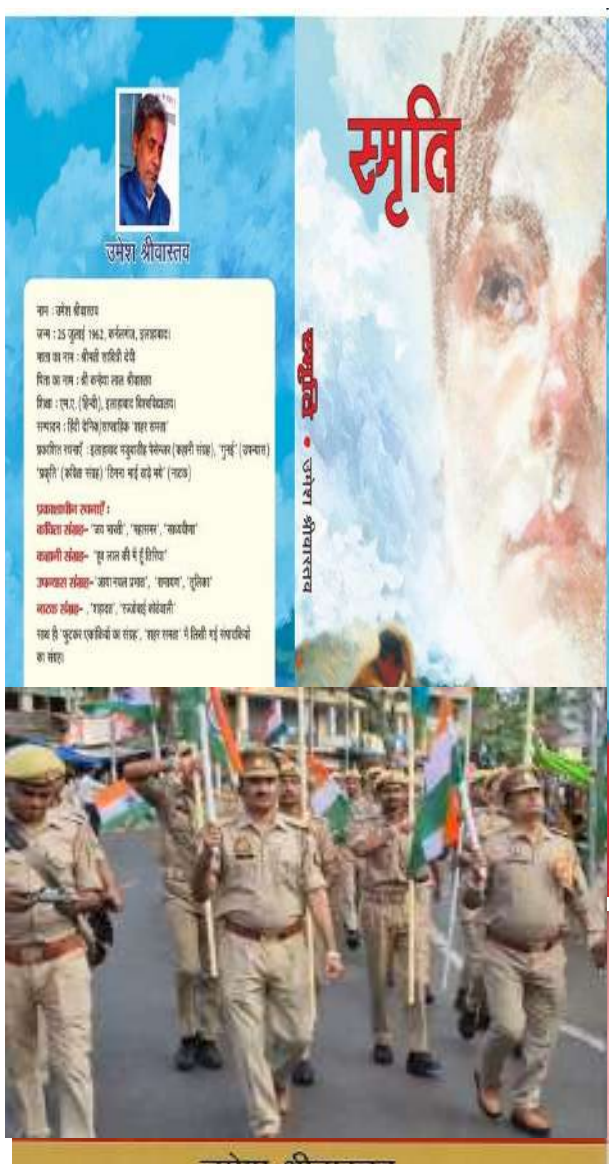

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

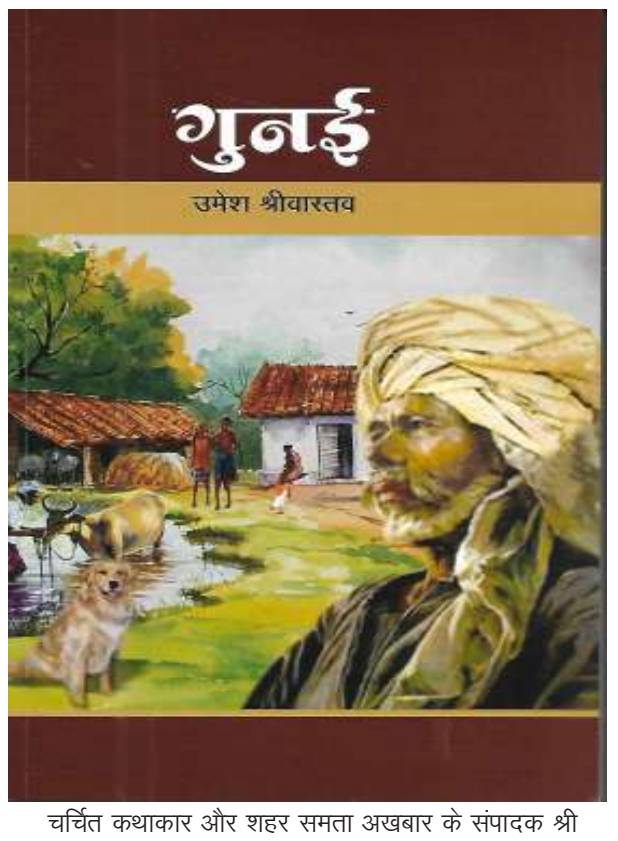

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

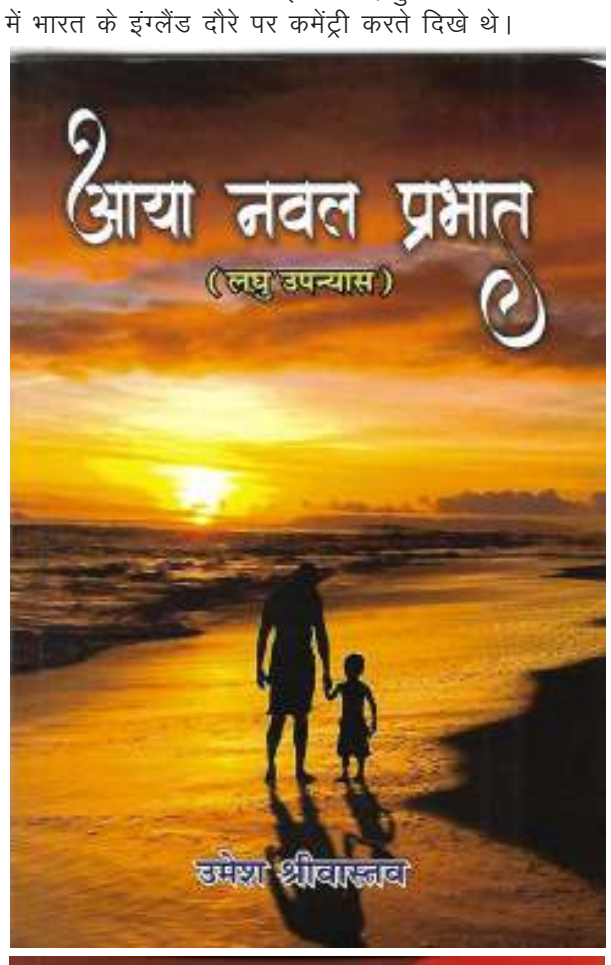

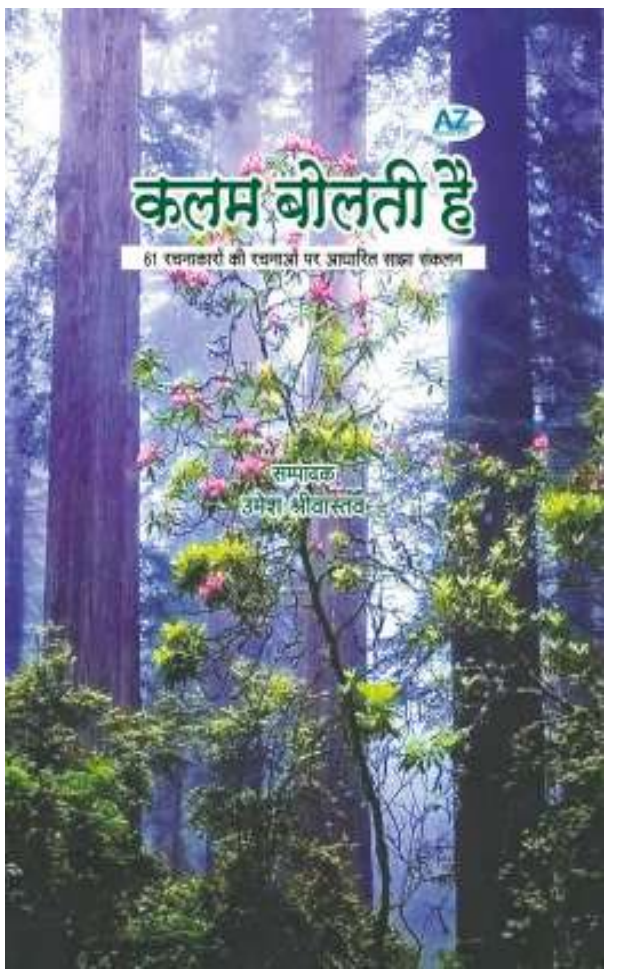

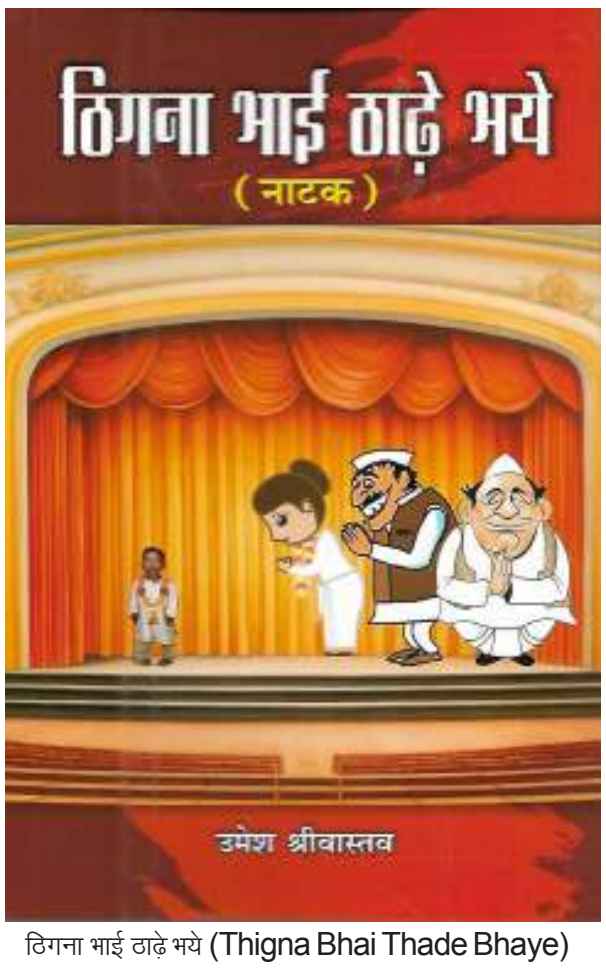

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को मिली जमानत, भ्रष्टाचार के आरोप में हुई थी गिरफ्तारी

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को मंगलवार को दस व्यक्तियों से जुड़ी एक निजी विदेश यात्रा के लिए सरकारी धन के कथित दुरुपयोग की चल रही जाँच में संदिग्ध के रूप में नामित किए जाने के बाद ज़मानत दे दी गई। श्रीलंकाई अखबार डेली मिरर के अनुसार, कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट निलुपुली लंकापुरा ने उन्हें 50 लाख श्रीलंकाई रुपये (प्रत्येक) की तीन ज़मानतों पर रिहा कर दिया, जिसकी अगली अदालती सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी। उन्हें 1.66 करोड़ श्रीलंकाई रुपये के सरकारी धन के दुरुपयोग के कथित आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले शुक्रवार को, न्यूज़वायर

लंका की रिपोर्ट के अनुसार, रानिल विक्रमसिंघे को सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। न्यूज़वायर के अनुसार, उनकी गिरफ्तारी लंदन की एक निजी यात्रा के खर्चों को पूरा करने के लिए सरकारी धन का उपयोग करने के आरोपों से जुड़ी है, जहाँ उन्होंने एक विश्वविद्यालय के स्नातक समारोह में भाग लिया था। यह भी बताया गया कि जाँचकर्ताओं का दावा है कि यह यात्रा, जो एक व्यापक विदेश दौरे का हिस्सा थी, कोई आधिकारिक कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि सरकारी धन से वित्तपोषित थी। रिमांड के बाद, कथित स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें शुरू में जेल अस्पताल में रखा गया था, लेकिन बाद में आगे की चिकित्सा जांच के बाद उन्हें राष्ट्रीय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। इससे पहले सोमवार को, डेली मिरर ने बताया था कि पूर्व श्रीलंकाई राष्ट्रपति खराब स्वास्थ्य के कारण मंगलवार को अदालत में पेश नहीं हो पाएंगे। इसमें कहा गया था कि विक्रमसिंघे को मंगलवार को कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना था। हालांकि, अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि उनकी मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति के कारण वे मंगलवार को अदालत में पेश नहीं हो पाएंगे। कोलंबो राष्ट्रीय अस्पताल (सीएनएच) के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से, डेली मिरर ने बताया कि पूर्व श्रीलंकाई राष्ट्रपति को अगले तीन दिनों तक दवा लेने और आराम करने की सलाह दी गई है। बताया गया था कि पिछले दिन उन्हें निर्जलीकरण की समस्या थी, जिससे उनकी हृदय गति बढ़ गई थी। चिकित्सा परीक्षणों में गुर्दे के मापदंडों में वृद्धि और सिरदर्द जैसे लक्षण भी पाए गए।

शुरू हुआ टैरिफ का पलटवार! अमेरिका का माल भारत ने चीन की तरफ मोड़ा

दुनियाभर में जब अमेरिका अपने टैरिफ वॉर और व्यापारिक दबाव के जरिए भारत को झुकाने की कोशिश कर रहा। ठीक उसी वक्त भारत ने इतिहास रच दिया। अप्रैल से जुलाई 2025 के बीच भारत का माल निर्यात चीन को 20 प्रतिशत की जबरदस्त छलांग के साथ 5.76 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसमें सबसे मजेदार बात ये है कि भारत का मेड इन इंडिया माल देखकर चीन के राजदूत तक झूम उठे और एक्स पर गर्व से आंकड़े शेयर करने लगे। भारत ने चीन को अप्रैल से जुलाई के बीच माल निर्यात में 5.76 अरब डॉलर का आंकड़ा छू लिया। ये पिछले साल के मुकाबले 20 प्रतिशत ज्यादा है। पेट्रोलियम उत्पादन दोगुना बढ़कर 883 मिलियन डॉलर, ईयू निर्यात 202.7 : की उछाल के साथ 521 मिलियन डॉलर कृषि निर्यात, तेल खली 2656.1:, चावल 1383.3:, तिलहन 1791.7: । यानी भारत का अनाज से लेकर ईंधन तक हर सेक्टर चीन की अर्थव्यवस्था को ताकत दे रहा है। पिछले कुछ समय से भारत अपनी रिफाइनरी क्षमता ही नहीं बढ़ाई बल्कि दुनिया को दिखाया कि वो सिर्फ उभोक्ता यानी कि कंज्यूमर नहीं बल्कि बड़ा सप्लायर भी है। इस बार पेट्रोलियम निर्यात दोगुना होकर 883 मिलियन डॉलर पहुंच गया। चीन जैसे बड़े इंडस्ट्रियल देश को भारत का तेल मिलना सिर्फ व्यापारिक नहीं बल्कि रणनीतिक सफलता भी है। भारत लंबे समय तक चीन से इल्कट्रॉनिक सामान खरीदने वाला देश माना जाता था। लेकिन अब कहानी पलट रही है। भारत ने इलेक्ट्रॉनिक सामान 521 मिलियन डॉलर का निर्यात चीन को किया और ये निर्यात 202.7 : बढ़ा है। भारत धीरे धीरे मैन्युफैक्चरिंग हब बनता जा रहा है। मोबाइल पाट्र्स, कंपोनेंट और स्मार्ट डिवाइस का निर्यात साफ दिखाता है कि भारत अब मेड इन इंडिया को चीन तक बेच रहा है। इसके अलावा भारत की ताकत हमेशा से अनाज और कृषि उत्पाद रहा है।

ट्रक चालक के लिए अमेरिका से भिड़ेगा खालिस्तानी पन्नू?

हमेशा खबरों में बने रहने और हर गैरकानूनी चीज़ का प्रतिनिधित्व करने के लिए आतुर रहने वाले खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पंजाब मूल के उस ट्रक ड्राइवर का बचाव किया है जिसने अमेरिका में प्रतिबंधित यू–टर्न लेकर तीन लोगों की जान ले ली थी। इस जानलेवा दुर्घटना के पीछे का कारण हरजिंदर सिंह था, जो अमेरिका में अवैध रूप से यात्रा करता था और वहाँ काम करता था। एबीसी न्यूज़ के सहयोगी डब्ल्यूपीबीएफ न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, वकील के तौर पर काम करने वाले पन्नू ने मंगलवार दोपहर (अमेरिकी समयानुसार) सेंट लूसी काउंटी जेल के बाहर हरजिंदर सिंह से मुलाकात की और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

'काजिकी' तूफान ने मचाई तबाही: वियतनाम-थाईलैंड में आफत की बारिश; बाढ़ और भूस्खलन से जनजीवन प्रभावित, आठ की मौत

हनोई/बैंकॉक। उष्णकटिबंधीय तूफान काजिकी (झंरपाप)के आने के बाद से दक्षिण–पूर्व एशिया खास तौर पर वियतनाम और थाईलैंड में भारी बारिश हो रही है। जिसके चलते जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। इतना ही नहीं बारिश के कारण वियतनाम और थाईलैंड के कई हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इन चरम मौसमी स्थितियों के कारण कम आठ लोगों की मौत हो गई।

वियतनाम के उत्तरी और मध्य प्रांतों में सबसे ज्यादा तबाही

वियतनाम के उत्तरी और मध्य प्रांतों में सबसे ज्यादा तबाही देखी गई। वहां की सरकारी मीडिया के बारिश और बाढ़ के कारण सात लोगों की मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति लापता है और 34 लोग घायल हुए हैं। इतना ही नहीं कई इलाकों में बीती रात करीब 20 सेंटीमीटर (8 इंच) बारिश दर्ज की गई। सरकार ने नदियों के किनारे वाले इलाकों में रहने वालों के लिए चेतावनी जारी की है। इन इलाकों पर अब भी बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

छह लाख लोगों को सुरक्षित जगह ले जाया जा रहा

वियतनाम सरकार ने भारी बारिश के चलते थान होआ, क्वांग त्रि, ह्यू और दानंग प्रांतों में लगभग 600,000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने की योजना बनाई है। तूफान के असर से इन इलाकों में बड़ी संख्या में घर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में हैं। यही वजह है कि सरकार लोगों को प्रभावित इलाकों से निकाल रही है। इस काम में सरकार ने 16,500 से ज़्यादा सैनिक और 107,000 अर्धसैनिक बल के जवानों को लगाया है।

थाईलैंड में भूस्खलन से एक की मौत

वहीं, थाईलैंड में उत्तरी शहर चियांग माई में भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य लापता है। देश के आपदा रोकथाम और शमन विभाग ने बताया कि कई घर बाढ़ से प्रभावित हुए और कुछ लोग घायल भी हुए हैं। थाईलैंड के मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तरी और उत्तर–पूर्वी इलाकों में और भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। निचले इलाकों और पहाड़ियों के पास रहने वालों को अचानक बाढ़ और भूस्खलन से सावधान रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सोमवार को वियतनाम के मध्य हिस्से से टकराया था काजिकी

गौरतलब है कि उष्णकटिबंधीय तूफान काजिकी सोमवार दोपहर को वियतनाम के मध्य हिस्से से टकराया था। तूफान ने होर्डिंग और कई इमारतों की छतें उड़ा दीं, पेड़ उखड़ गए और बिजली के खंभे गिर गए। इससे पहले यह तूफान चीन के हैनान द्वीप से टकराकर वहां भी तेज हवाएं और बारिश लाया था।

जलवायु परिवर्तन के चलते दक्षिण पूर्व एशिया में ज्यादा आएंगे तूफान

वैज्ञानिकों ने पिछले साल एक प्रकाशित अध्ययन में चेतावनी दी थी कि जलवायु परिवर्तन से गर्म हुए समुद्रों के परिणामस्वरूप दक्षिण पूर्व एशिया के चक्रवात जमीन के करीब बनेंगे, वे तेज़ी से मजबूत होंगे और लंबे समय तक चलेंगे, जिससे शहरों के लिए जोखिम बढ़ जाएगा।

50 प्रतिशत टैरिफ के बाद भी पूरी तरह नहीं बिगड़ी बात

भारत ने अभी भी ट्रेड डील के लिए बातचीत के दरवाजे खुले रखे हैं

भारत का मानना है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को दोगुना करके 50 प्रतिशत करना अनुचित है। इसके साथ ही भारत ने व्यापार समझौते के उद्देश्य से बातचीत के लिए दरवाजा खुला रखा है। आपको बता दें कि भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाया गया 25प्रतिशत दंडात्मक शुल्क बुधवार से लागू हो गया, जो भारतीय उत्पादों पर पहले से लागू 25: पारस्परिक शुल्क में शामिल है। नए दंडों के साथ, परिधान, रत्न एवं आभूषण, जूते–चप्पल, फर्नीचर और रसायनों जैसे उत्पादों पर कुल अमेरिकी शुल्क 50प्रतिशत तक पहुँच गया है। नाम न छापने की शर्त पर, सूत्रों ने बताया कि टैरिफ अनुचित हैं और ट्रम्प प्रशासन की कार्रवाई पर भारत की प्रतिक्रिया संयमित और ज़िम्मेदाराना रही है। एक सूत्र ने बताया कि इस मामले पर सहमति बनाने और अंततः एक व्यापार समझौते पर सहमति बनाने के उद्देश्य से दोनों पक्षों के बीच संपर्क जारी है। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि इन सभी संपर्कों में भारतीय पक्ष अपने किसानों, छोटे उत्पादकों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि हमारा मानना घ्छै कि बातचीत से मुद्दे सुलझ जाएँगे, लेकिन हम अपनी लाल रेखाओं से पीछे नहीं हटेंगे। वाणिज्य मंत्रालय या विदेश मंत्रालय की ओर से 25प्रतिशत दंडात्मक शुल्क पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई। लोगों ने यह भी कहा कि यह अनुचित और अस्वीकार्य है कि अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत को दंडित करने का विकल्प चुना है, जबकि चीन जैसे रूसी कच्चे तेल के बड़े खरीदारों के खिलाफ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। रूसी तेल खरीदने के लिए दंडात्मक टैरिफ एक अप्रत्याशित झटका था, क्योंकि यह व्यापार वार्ता के लिए अप्रैल में दोनों पक्षों द्वारा सहमत संदर्भ की शर्तों (टीओआर) का हिस्सा नहीं था, दूसरे व्यक्ति ने कहा, भारतीय पक्ष को उम्मीद है कि यह 25प्रतिशत टैरिफ अस्थायी है और इसे द्विपक्षीय रूप से समाप्त किया जा सकता है। लोगों ने कहा कि यह असामान्य है कि अमेरिका ने रूस के साथ व्यापार करने के लिए भारत को दंडित करने का विकल्प चुना है, जबकि ट्रंप प्रशासन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा है। एक तीसरे व्यक्ति ने कहा, ष्अमेरिका चीन के साथ भी संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा है, जिसके लिए अमेरिका ने अपने टैरिफ युद्धविराम को 90 दिनों के लिए बढ़ा दिया है, जबकि चीन बड़ी मात्रा में रूसी तेल खरीदता है।

एफ-35 रिजेक्ट, अमेरिका का हथियार व्यापार चौपट करवाएगा भारत ? अब यूरोप ने डील की कैंसिल

बड़े बुजुर्ग कह गए हैं कि लालच बुरी बला है। लालच जब हावी हो जाए तो भरोसा और रिश्ते दोनों टूट जाते हैं। यही हाल अमेरिका और उसके एफ 35 लड़ाकू विमान का हो गया। डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी और अमेरिकी शर्तों के लालच ने अपना न सिर्फ भारत को बल्कि यूरोप को भी अमेरिका से दूर करना शुरू

कर दिया है। दरअसल, अमेरिका हमेशा से ये चाहता था कि दुनिया उसके हथियारों पर निर्भर रहे। लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि उसके सबसे बड़े प्रोजेक्ट एफ 35 फाइटर जेट को लगातार झटके लग रहे हैं। कभी वो कहीं क्रैश हो जाता है तो कभी भारत के एफ 35 खरीद से दूरी बनाने की खबर सामने आती है। अब यूरोप से भी अमेरिका को करारा जवाब दे दिया। अभी यूरोप से ट्रंप को बड़ा झटका आया है। स्पेन और स्विजरलैंड ने एफ 35 को खरीदने से इनकार कर दिया। दोनों देशों ने यूरोपीय विक्लपों पर भरोसा जताते हुए अमेरिकी दबाव को ठुकरा दिया। ये सिर्फ हथियारों की कीमत का मामला नहीं बल्कि अमेरिका की मोनोपॉली और कंट्रोल की पॉलिसी से जुड़ा मुद्दा है। पहले माना जा रहा था कि स्पेन अपनी नौसेना के लिए एफ 35 खरीदेगा। लेकिन अचानक मेड्रिड ने प्लान रद्द कर दिया। इसकी जगह उसने 25 नए यूरो फाइटर टाइफून खरीदने और फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम यानी एफसीएएस पर निवेश करने का फैसला किया है। इससे भले ही अगले 10 साल तक स्पेन के पास पींचवी पीढ़ी का लड़ाकू विमान न हो। लेकिन उसका घरेलू उद्योग मजबूत होगा। रोजगार पैदा होगा और टेक्नोलॉजी यूरोप के पास ही रहेगी। स्विजरलैंड ने 2022 में जनमत संग्रह कराकर 36 एफ 35 ए खरीदने की मंजूरी दी थी। इसकी कीमत 6 अरब स्विस फ्रैंक थी। लेकिन 2023 आते आते सब बदल गया। अमेरिका ने खुद कहा था कि कॉन्ट्रैक्ट फिक्स नहीं है। महंगाई और सामग्री लागत बढ़ने पर कीमतें और बढ़ेगी। ऊपर से ट्रंप ने स्विस निर्यात पर टैरिफ ठोक दिया। ऐसे में स्विजरलैंड के नेता कह रहे हैं कि डील कम की जाए या फिर रद्द कर दी जाए। फरवरी में जब नरेंद्र मोदी अमेरिका गए थे तो एफ 35 भारत को चिपकाने की कोशिश की गई थी। वो तो भला हो भारत जिस तरीके से अपनी डील करता है। टाइम लेता है। हर चीज के बारे में पॉजिटिव–निगेटिव पहलू पर गौर करता है। वो तस्वीर तो आप भूले नहीं होंगे जब केरल के एयरपोर्ट पर लगभग 37 दिन अमेरिका का ये एफ 35 खड़ा रहा और दो हफ्ते बाद इसे हैंगर में ले जाने की अनुमति दी गई। लेकिन अब ताश के पत्तों की तरह अमेरिका का एफ 35 लगातार ढेर हो रहा है। ये खुद से ही कहीं भी खड़ा रहा है। जापान में भी इसके लैंड करने की खबर आई।

मेलबर्न में युवक ने यहूदियों के उपासनागृह में लगाई आग

मेलबर्न। मेलबर्न में युवक ने यहूदी उपासनागृह में आग लगा दी। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर बुधवार को अदालत में पेश किया। पुलिस का आरोप है कि तीन नकाबपोशों ने प्रार्थना स्थल के अंदरूनी हिस्से में एक तरल पदार्थ छिड़का और आग लगा दी। इससे प्रार्थना स्थल को भारी नुकसान हुआ और एक श्रद्धालु घायल हो गया। ऑस्ट्रेलिया ने इस हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया था। पिछले हफ़्ते आरोपी 20 वर्षीय अली यूनुस पर अदास इस्राइल सिनेगॉग पर हुए आगजनी हमले का आरोप लगाया था। यूनुस को बुधवार को जेल से वीडियो लिंक के जरिये मेलबर्न मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने यूनुस को हिरासत में भेज दिया गया। क्षतिग्रस्त यहूदी प्रार्थना स्थल के बोर्ड सदस्य बेंजामिन क्लेन ने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने उन्हें चेतावनी दी थी कि इसके लिए ईरान को दोषी ठहराया जाएगा। यह बहुत चौंकाने वाला और दर्दनाक है कि मेलबर्न में एक शांतिपूर्ण, प्रार्थना स्थल को विदेशी आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाया गया और हमला किया गया। क्लेन ने कहा कि राज्य और संघीय प्राधिकारियों ने अस्थायी स्थान पर सुरक्षा बढ़ाने में सहयोग किया है, जहां अब सभास्थल के लोग एकत्रित होते हैं। यहूदी ऑस्ट्रेलियाई लोग भयभीत हैं कि अगला नंबर उनका हो सकता है।

युनूस अदालत में पेशी ऐसे समय में हुई, जब एक दिन पहले प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड पर प्रार्थना स्थल और सिडनी के कोषेर भोजनालय, लुईस कॉन्टिनेंटल किचन पर आगजनी करने का आरोप लगाया था। ईरान ने मंगलवार को अपने विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई के जरिये ऑस्ट्रेलिया के आरोपों का खंडन किया। उन्होंने इन हमलों को उन चुनौतियों से जोड़ने का प्रयास किया, जिनका सामना सरकार को ऑस्ट्रेलिया द्वारा फलस्तीनी राज्य को मान्यता देने की घोषणा के बाद इस्राइल के साथ करना पड़ा।

सिडनी और मेलबर्न अग्निकांड के मामले में अब तक आरोपियों की अदालत में हुई पेशी में ईरान से किसी संबंध की जानकारी नहीं मिली है। ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा खुफिया संगठन (एएसआईओ) का कहना है कि उसके पास इसका सबूत है कि हमलों को ईरान ने ही अंजाम दिया था। यूनुस के सह–अभियुक्त मेलबर्न के पश्चिमी बाहरी इलाके के 21 वर्षीय जियोवानी लाउलू को भी अदालत में पेश किया जाएगा। लाउलू को पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था और वह अभी भी जेल में है। उन पर आगजनी, जान को खतरे में डालने वाली लापरवाही और कार चोरी के आरोप हैं। सिडनी के दो व्यक्तियों, वेन डीन ओग्डेन (40) और जुऑन अमुओई (26) पर भी हमले को अंजाम देने का आरोप लगाया गया है और वे अभी भी हिरासत में हैं। दोनों संदिग्धों पर विक्टोरियन संयुक्त आतंकवाद निरोधक टीम ने आरोप लगाए थे।

'यौन उत्पीड़न, यातना, अपहरण...', मानवाधिकार आयोग ने ईंट भट्ठा मजदूरों के शोषण का किया पर्दाफाश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनसीएचआर) ने देश की ईंट भट्टियों में हो रहे व्यवस्थित शोषण, मानवाधिकार उल्लंघन और लिंग आधारित हिंसा को उजागर किया है। पाकिस्तानी अखबार श्डॉनश की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मंगलवार को एक स्टडी रिपोर्ट जारी की, जिसमें ईंट भट्ठा मजदूरों के साथ हो रहे अत्याचारों का खुलासा किया गया है। इस स्टडी का शीर्षक है– श्पंजाब की ईंट भट्टियों में शोषण और अत्याचार का पर्दाफाश।श इसमें मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न से लेकर अपहरण और हत्या तक के गंभीर मामलों को दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला मजदूर सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। उन्हें बड़े पैमाने पर यौन उत्पीड़न, जबरदस्ती और जबरन शादी जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। मजदूर असुरक्षित, गंदे और शोषणपूर्ण माहौल में बेहद गर्म या ठंडे मौसम में काम करते हैं। उन्हें कानूनी न्यूनतम वेतन से भी कम भुगतान किया जाता है और सामाजिक सुरक्षा जैसी कोई सुविधा नहीं दी जाती। इस रिपोर्ट में यह भी दिखाया गया कि किस तरह गहरी गरीबी ने लोगों को भट्ठियों में काम करने के लिए मजबूर किया। डॉन की रिपोर्ट में बताया गया कि 97 फीसदी मजदूर कर्ज के कारण मजबूरी में इस काम में आए। इनमें 90 फीसदी के पास लिखित अनुबंध नहीं है जिससे वे श्रम कानूनों की सुरक्षा से वंचित हैं और 70 फीसदी से अधिक परिवार एक ही छोटे कमरे में रहते हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 92 फीसदी मजदूरों ने मानसिक उत्पीड़न की शिकायत की। कई मजदूरों ने मारपीट, अत्याचार और अपहरण की घटनाएं भी बताईं। रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि ईंट भट्ठा मजदूरों के साथ संगठित रूप से शोषण हो रहा है। खासकर महिलाओं के साथ लिंग आधारित हिंसा, कर्ज के जाल में फंसा कर काम करवाना और श्रमिक अधिकारों से वंचित रखना आम बात है। यह रिपोर्ट पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के दो बड़े ईंट भट्ठा क्षेत्रों फैसलाबाद और कसूर में किए गए शोध पर आधारित है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

डेनमार्क ने अमेरिकी राजनयिक को किया तलब, गोपनीय तरीके से दखलंदाजी की रिपोर्ट के बाद उठाया कदम

कोपेनहेगन। डेनमार्क के विदेश मंत्री ने अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब किया है। यह कदम तब उठाया गया, जब देश के राष्ट्रीय प्रसारक ने बुधवार को एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें कहा गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े तीन लोग ग्रीनलैंड में गोपनीय तरीके से प्रभाव डालने वाले अभियान चला रहे हैं। ग्रीनलैंड, आर्कटिक क्षेत्र में स्थित एक विशाल और अर्ध–स्वायत्त डेनिश क्षेत्र है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।